दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-92
मुरादाबाद
22 July 2024
(Monday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

गुरू पूर्णिमाः गोरखनाथ मंदिर में CM योगी ने किया रूद्राभिषेक, इस प्रमुख भूमिका में होते हैं गोरक्षपीठाधीश्वर

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गुरु गोरक्षनाथ का विशिष्ट पूजन कर नाथपंथ के गुरुजन के प्रति श्रद्धा अर्पित की। मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूजन का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया। गुरू गोरक्षनाथ की पूजा के बाद सीएम योगी ने नाथपंथ के सभी योगियों की समाधि स्थल और देवी-देवताओं के मंदिर में जाकर विशेष पूजन किया।उन्होंने सभी के कल्याण और लोकमंगल की कामना की। अपने गुरु का वंदन

अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गुरु गोरखनाथ की विधि विधान से पूजा के बाद अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।गुरू पूर्णिमा का पर्व गोरखनाथ मंदिर में खास रहता है। इस मौके पर गोरखनाथ मंदिर में शिष्यों की भीड़ जुटी होती है। गुरु पूजन के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों के बीच आएंगे।बारी-बारी से शिष्य, गोरक्षपीठाधीश्वर तक पहुंचेंगे और उन्हें तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद लेंगे। गुरु पूर्णिमा ऐसा पर्व है जिसे देश में हर कोई बड़े आदर व सम्मान के साथ मनाता है। यह परंपरा हिंदू धर्म के सभी पंथों में सम्मान पूर्वक मनाई जाती है।गुरु पूर्णिमा का पर्व हर साल बड़े ही भव्य तरीके से गोरखनाथ मंदिर में भी मनाते हैं। इस दिन गुरु रूप में गोरक्षपीठाधीश्वर को भक्त तिलक लगाकर उनसे आशीर्वाद ग्रहण करते हैं। ये आयोजन भी मंदिर परिसर में ही होगा। इस दौरान गुरु गोरखनाथ को फूल मालाओं से सजाया जाएगा।इसके अलावा अन्य देवी देवताओं की भी पूजा-अर्चना होगी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में चल रहे श्रीरामकथा की पूर्णाहुति भी होगी। मंदिर के भ्रमण के दौरान सीएम योगी बच्चों को देखकर रुक गए। अपने पास बुलाया और उनसे बातचीत की। छोटे बच्चों को देखते ही योगी वातसल्य प्रेम में रम जाते हैं। अपने पास बुलाकर गोद में लिया और बच्चों को चॉकलेट भी भेंट की।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद सलीम शेरवानी का इस्तीफा नामंजूर किया, बोले- पार्टी में रहकर काम करते रहें

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद सलीम इकबाल शेरवानी का इस्तीफा अस्वीकार कर दिया है। सलीम शेरवानी ने राज्यसभा चुनाव के लिए हुए टिकट वितरण से असंतोष जताते हुए इस्तीफा दे दिया था।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद सलीम इकबाल शेरवानी का इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। उन्होंने जारी किए गए पत्र में कहा है कि हमारी पार्टी को आप जैसे सफल और श्रेष्ठ व्यक्ति की आवश्यकता है इसलिए अपना इस्तीफा वापस लें और पार्टी के लिए काम करते रहें। बता दें कि सलीम शेरवानी ने फरवरी में राज्यसभा के लिए हुए टिकट वितरण पर असंतोष जताते हुए सपा महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया था। सपा अध्यक्ष ने उनसे इस्तीफा वापस लेने की अपील की है।

श्रीरामकथा विश्राम पर बोले CM योगी- लोक और राष्ट्र कल्याण से जुड़ी है भारत की ऋषि परंपरा

सीएम योगी रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ के चित्र पर पुष्पार्चन करने तथा व्यासपीठ का पूजन करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति में ऋषि के साथ गोत्र की परंपरा भी साथ में चलती है।गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन ऋषि परंपरा व गुरु परंपरा लोक और राष्ट्र कल्याण की परंपरा है। यह परंपरा हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि हमारे जीवन का एक-एक कर्म, एक-एक क्षण सनातन के लिए, समाज के लिए, राष्ट्र के लिए समर्पित होना चाहिए। ऐसा करके ही हम गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं। गोरक्षपीठ भी उसी गुरु परंपरा की पीठ है जो दिन-रात लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सीएम योगी रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में विगत 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ के चित्र पर पुष्पार्चन करने तथा व्यासपीठ का पूजन करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति में ऋषि के साथ गोत्र की परंपरा भी साथ में चलती है। जब गोत्र की बात होती है तो जाति भेद समाप्त हो जाता है। हर गोत्र किसी न किसी ऋषि से जुड़ी है और ऋषि परंपरा जाति, छुआछूत या अश्पृश्यता का भेदभाव नहीं रखती है। मार्गदर्शक बनाया महर्षि वेदव्यास ने सीएम योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन व्यास की जयंती है जिनकी कृपा से वैदिक साहित्य प्राप्त हुए हैं। जिन्होंने वेदों, पुराणों और अनेक महत्वपूर्ण शास्त्रों को उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि 5000 वर्ष पहले महर्षि व्यास इस धराधाम पर थे। उस कालखंड में उन्होंने कई पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व किया। अनेक ग्रंथों की रचना कर उसे वर्तमान पीढ़ी के मार्गदर्शन के लिए भी अनुकूल बना दिया। भारत के अलावा 5000 वर्ष का इतिहास दुनिया में किसी के पास नहीं है। वर्तमान समय द्वापर और कलयुग का संधिकाल है। महाभारत के युद्ध के बाद महर्षि वेदव्यास ने श्रीमद्भागवत पुराण रचा जो मुक्ति और मोक्ष के मार्ग पर चलने को प्रेरित करने वाला पवित्र ग्रंथ है।गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता-पिता पहले गुरु हैं। इसके बाद स्कूली शिक्षक, पुरोहित-कुलगुरु, बड़ा भाई, और ऋषि-संतों की परंपरा, गोत्रों की परंपरा भी गुरु परंपरा में सम्मिलित होती है। गुरु परंपरा का उद्देश्य मनुष्य को अच्छे मार्ग पर अग्रसर करना है। माता-पिता, बड़ा भाई, पुरोहित-कुलगुरु, संत, ऋषि इसी उद्देश्यपरक कार्य के हितैषी होते हैं।उन्होंने कहा कि हम जैसा कार्य करेंगे, परिणाम भी उसी के अनुरूप मिलेगा। अच्छा कार्य करेंगे तो अच्छा फल मिलेगा और गलत काम करेंगे तो उसका फल भी हमें ही भुगतना होगा। इस संबंध में उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के संत बनने से पूर्व के जीवन की कथा भी सुनाई और संदेश दिया कि कोई भी गलत काम में हासिल होने वाले पाप में भागीदारी नहीं बनना चाहता है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीराम ने जीवन में मर्यादा को महत्व दिया। हर कार्य की लक्ष्मण रेखा तय की, संबंधों को मर्यादित तरीके से जीना सिखाया। इसी तरह भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म की प्रेरणा दी। आज अधिकतर लोग कम कम के बदले अधिक हाईलाइट होने के प्रयास में रहते हैं।जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म की प्रेरणा दी है। यानी कर्म करो, फल की चिंता मत करो। हमारे शास्त्र और गुरु परंपरा में भी कहा गया है- अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम्। अर्थात जैसा कर्म करेंगे, उसके अनुरूप फल से वंचित नहीं रहेंगे। जो करेंगे, उसके अनुरूप परिणाम अवश्य भोगना पड़ेगा। सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है सच्चा गुरु-सीएम योगी ने कहा कि सच्चा गुरु वही है जो सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करे। हमारे जीवन में महत्व धन-धान्य का नहीं है बल्कि सद पुरुषार्थ से हासिल उस समृद्धि से है जो लोक कल्याण के कार्य आ सके। यदि हम गलत तरीके से समृद्धि अर्जित करेंगे तो पाप कृत्य के भागी होंगे।जबकि यदि हम वंचितों पर उपकार करेंगे, जीवमात्र के प्रति दया का भाव रखेंगे तो उसका पुण्य लाभ अवश्य प्राप्त होगा। गुरु का कार्य सही और गलत में अंतर बताकर सही मार्ग दिखाने का होता है। आरती के साथ हुआ श्रीरामकथा का विश्राम- गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा का विश्राम व्यासपीठ पर विराजमान श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की आरती के साथ हुई। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरती उतारी। इस अवसर पर उन्होंने कथाव्यास बाबा बालकदास के प्रति आभार भी व्यक्त किया और कहा कि हर व्यक्ति को कुछ समय ऐसी कथाओं के श्रवण के लिए जरूर निकालना चाहिए।कार्यक्रम में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, श्रीरामजानकी हनुमान मंदिर के महंत रामदास समेत कई जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, प्रबुद्धजन व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

श्रद्धालुओं का सैलाब, अव्यवस्थाओं पर हावी रही आस्था; रणनीतियां दिखीं ध्वस्त

मुड़िया पूर्णिमा पर दाऊजी महाराज के दर्शन को बलदेव में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। यहां अव्यवस्थाओं पर आस्था हावी रही। बैठक कर बनाई गईं सारी रणनीतियां ध्वस्त दिखींतीर्गनगरी

मथुरा के बलदेव में रविवार को मुड़िया पूर्णिमा पर्व हर्ण और उल्लास के साथ मनाया गया। यहां दाऊजी महाराज के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस दौरान कस्बा में मानव श्रृंखला दिखाई बनी रही। श्रद्धालु नाचते गाते मंदिर पहुंचे। बलदेव में सुबह चार बजे से लोगों का आना शुरू हुआ तो शाम तक यह बढ़ता ही गया। श्रद्धालु भजन कीर्तन में मस्त होकर नाचते-गाते मदिर की तरफ आगे बढ़ रहे थे। मंदिर पहुंचकर श्री दाऊजी महाराज को भोग लगाया। मनौती मांगी। क्षीर सागर में स्नान व आचमन करने को भीड़ लगी रही।चहुंओर भीड़ का सैलाब दिखाई दिया। अव्यवस्थाओं पर आस्था व श्रद्धा हावी रही। पिछले दिनों बैठक करके व्यवस्थाओं के लिए बनाई गईं सारी रणनीतियां ध्वस्त नजर आईं। दोपहिया वाहन मंदिर चौक तक आ गए। कहीं कोई रोकने वाला नहीं रहा। मुख्य रास्तों पर लगाई गई बैरिकेडिंग शोपीस बन कर रह गए। नगर पंचायत क्षेत्र में अव्यवस्थाओं पर श्रद्धालुओं को काफी परेशानी उठानी पड़ी। स्थानीय निवासी ब्रजेश पांडेय ने कहा कि बैठकों में लंबे-चौड़े निर्देश दिए गए। कहा गया इस बार ऐसी व्यवस्थाएं होंगी कि जरा भी परेशानी नहीं होगी। आज कोई व्यवस्था नहीं दिखाई दी। श्रद्धालु परेशान हो गए। बिल अवश्य लाखों रुपए खर्च का दिखा दिया जाएगा।

टीएमसी की रैली में CM ममता बोलीं- महिलाओं को आरक्षण न दे सकी BJP, अखिलेश ने कहा- जल्द गिर जाएगी NDA सरकार

ममता बनर्जी ने कहा कि अखिलेश यादव मेरे निमंत्रण पर कार्यक्रम में शामिल होने आए, मैं उनका धन्यवाद देती हूं। मैं चाहती हूं कि पूरे देश के साथ बंगाल के रिश्ते बेहतर हों। यूपी में अखिलेश यादव ने जो खेल दिखाया, उसके बाद भाजपा को इस्तीफा दे देना चाहिए था।प. बंगाल में सत्तारूढ़

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की शहीद दिवस पर चल रही रैली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसकी 38 फीसदी महिलाएं सांसद हैं। चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का दावा किया था, लेकिन ऐसा नहीं कर सके। धर्मतला में चल रही रैली में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जल्द ही गिर जाएगी।ममता बनर्जी ने कहा कि अखिलेश यादव मेरे निमंत्रण पर कार्यक्रम में शामिल होने आए, मैं उनका धन्यवाद देती हूं। मैं चाहती हूं कि पूरे देश के साथ बंगाल के रिश्ते बेहतर हों। यूपी में अखिलेश यादव ने जो खेल दिखाया, उसके बाद भाजपा को इस्तीफा दे देना चाहिए था। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की साजिश रचने वाली ताकतों को अस्थायी सफलता मिल सकती है, लेकिन अंततः उनकी पराजय होगी। केंद्र में भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी, यह जल्द ही गिर जाएगी। बंगाल को बदनाम कर रही भाजपा- अभिषेक- रैली में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी रैली में पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल के सभी फंड रोक दिए हैं। भाजपा बंगाल को बदनाम कर रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने फर्जी कहानी बनाकर संदेशखली को हथियार बनाकर बंगाल को बदनाम करने की साजिश की। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा अबकी बार 400 पार का नारा दिया, लेकिन 240 पर रुक गए। टीएमसी के खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया मगर जीत नहीं मिली। पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 21 जुलाई 2022 को ईडी ने पार्थ चटर्जी के घर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। हम गलती करने वाले किसी व्यक्ति को नहीं बचाते। हम अन्याय करने की अनुमति भी नहीं देते हैं। अगर एसएससी-टीईटी घोटाले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया जा सकता है, नीट घोटाले में -धर्मेंद्र प्रधान को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है? इसलिए हो रही रैली- 21 जुलाई 1993 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में राइटर्स अभियान के दौरान 13 लोगों की जान चली गई थी। उस दौरान ममता बनर्जी युवा कांग्रेस अध्यक्ष थीं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद ममता बनर्जी हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती रही हैं।

संपादकीय Editorial

Prime Minister in the crosshairs

The reference is of May, 2014. There were 10-12 days left in the campaigning for the Lok Sabha elections. Obviously, neither the mandate was made public nor Narendra Modi had become the Prime Minister. However, during the media interaction and interview, he had definitely said that if our government is formed, then the accused of the 1993 Mumbai communal riots will be brought to India. Modi, the then Prime Ministerial candidate of BJP, had also mentioned underworld don Dawood Ibrahim and said that he will also be brought to India and legal action will be taken. On hearing such statements, another don had threatened to kill Modi through the media. He had also said that he will be able to bring Dawood to India only if he survives. The faces in the media through whom the threat was given had disclosed it to the concerned officials in the Government of India. After that, Modi has been the Prime Minister of the country for the last 10 years and Dawood has not been brought to India till now. Our analysis is not about the underworld don, but the security of Prime Minister Modi is our concern. The issue of security of the Prime Minister is timeless, but now it is more relevant in the context of the attack on former US President Donald Trump. Former UP Director General of Police Vikram Singh has written an article in an English newspaper and expressed concern over the security of Prime Minister Modi. The basic reason for this is the current hate politics that the Prime Minister is constantly on target. The senior-most IPS officer advises that words like violence, murder, death should not be used by targeting the Prime Minister, because these can provoke any citizen. This violent tendency in politics has increased a lot during the last decade. Tolerance and harmony are becoming negligible. Instead of opposing the policies of BJP-NDA, the opposition is targeting Prime Minister Modi personally. It is unfortunate that during the general elections in June, in Varanasi, someone dared to throw a slipper at the convoy of the Prime Minister. It could have been a bomb or a grenade. In this context, Rahul Gandhi's comment was that now people are not afraid of Modi. When Rahul Gandhi became the leader of the opposition in the Lok Sabha, he used words like violence and murder several times in his first speech. Throwing slippers is also a serious question mark on the tight and highly trained security arrangements of the Prime Minister. When the Prime Minister's convoy got stuck on a highway in Punjab's Ferozepur area, Pakistan could have attacked that place! Apart from these statements and incidents, former Union Minister Subodh Kant Sahay had given a statement that Modi will die like Hitler. The person who gave the statement of cutting Modi into pieces is a Congress MP in the Lok Sabha today. Someone even said that Modi should be beaten on the head with sticks. There is a long list of abusive words used for the Prime Minister. Personal attacks are made a lot in politics these days. Narendra Modi also used some objectionable words in his capacity as a politician, but their meaning was not to kill, murder or that unemployed youth will beat with sticks etc. It is worth noting that Modi is the elected Prime Minister of the country. The country has already seen and suffered the murder of two Prime Ministers. Actually these words can provoke and incite anyone. In that state of mind, he can attack the Prime Minister. Many threatening statements were made for Prime Minister Modi during the farmers' movement as well. Many political parties stood with those who threatened. On 26 January, 2021, such a ruckus was created in Delhi that it seemed as if some external power had attacked Delhi! The security of the Prime Minister is a matter of concern.

Environment: Now waterfalls will also be counted... To deal with water crisis, it is very important to save natural water streams.

20 percent of the country's population is dependent on waterfalls. 50 percent of the waterfalls in the Himalayan region are drying up, while the perennial waterfalls of the south are becoming seasonal. The Union Ministry of Water Power of the Government of India has started the process of second census of all types of water sources, natural and man-made. The report of the first census conducted last year has been made public, on the basis of which it was known that how many ponds, pools, lakes etc. are there in the country along with rivers and canals and what is their condition? The specialty of this time's census is that waterfalls have also been included in it. Hundreds of non-Himalayan rivers of the country, especially the rivers of the southern states, originate from waterfalls. Huge rivers like Narmada, Son originate from the Amarkantak waterfall in Madhya Pradesh. When the results of this census will come out after two years, the country will have a broad perspective about what is the future of the flow of rivers? What is the possibility of hydropower projects? Waterfalls exist because of mountains, they get strength from the dense forests in the surroundings and protection from uninterrupted flow. In 2020, the international research journal 'Water Policy' conducted a series of 10 studies in 13 cities located in the Indian Himalayan Region (IHR). This study revealed that many of these cities, including famous hill stations like Mussoorie, Darjeeling and Kathmandu, are facing a deep gap between demand and supply of water, which is up to 70 percent in many places and the main reason for this is the rapid drying up of water streams and waterfalls in these areas. Exactly the same thing was said in the report of NITI Aayog in August 2018. It was admitted that about 50 percent of the waterfalls in IHR are drying up. A waterfall is a natural structure from where water flows from aquifers (rock layer containing groundwater) to the surface of the earth. There are about 50 lakh waterfalls in the whole of India, out of which about 30 lakh are in IHR alone. More than 20 crore population of the country is dependent on waterfalls for water. There are 60,000 villages in 12 states of the Indian Himalayan region, with a population of five crore. Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Sikkim, Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and Tripura are in its purview. Assam and West Bengal also come partially under it. About 60 percent of the population here is dependent on streams for water needs. On the other hand, in the Western Ghats in southern India, waterfalls that were once perennial are becoming seasonal and this is directly affecting rivers like Kaveri, Godavari. Here, the careless tube wells being installed in the catchment area of ????the waterfalls have also blocked the path of the waterfalls. In the Almora region of Uttarakhand, the number of waterfalls has decreased from 360 to 60 in the last 150 years. Ninety percent of the drinking water supply in Uttarakhand is dependent on springs, while in Meghalaya all the villages in the state use springs for drinking and irrigation. These springs are also important components of biodiversity and ecosystem. Climate change cannot be blamed for the continuous disappearance of springs or the decrease in the amount of water in them. Damage to the mountains due to indiscriminate tree cutting and construction has disrupted the natural routes of the springs. Niti Aayog prepared an action plan for the waterfall conservation program in the year 2018 and it was based on its four-year-old report, but no plan has been made to save the springs in the last six years. It is expected that the report of the new survey will lead to plans to save the springs. However, it will be pleasant to know that Sikkim had sensed this crisis in the year 2009 itself. Earlier, the cost of water per family in Sikkim was Rs 3200 per month. In 2013-14, work was started on conserving rain water by digging pits in 120 hectares of hilly area around the waterfalls and it started giving 100% results. Uttarakhand and Himachal Pradesh have shown the most negligence towards waterfalls, which are also getting destroyed rapidly due to landslides in the last five years. In these states, no policy has been made to reduce land erosion around the waterfalls, increase greenery and maintain the natural properties of the soil. It is not hidden from anyone that the weather cycle is changing rapidly. At some places the rain is decreasing, at other places it is suddenly more than required, and the temperature of the earth is also increasing. There is a need to completely stop construction work in some areas of natural water streams and waterfalls, no big projects should be brought in such places, where the environmental balance is dependent on the waterfalls.

AI surveillance: A price to be paid, privacy violations likely due to poor regulation

The surveillance of the Paris Olympics, which begin on July 26, by AI may be beneficial for the French government and AI companies, but it will also come at a price. Poorly regulated AI-enabled surveillance systems are likely to lead to privacy violations. The Paris Olympics are being watched by the world as thousands of athletes and their support staff and millions of tourists from across the world begin arriving in France. Not only will the world be watching it, but it will also be monitored by artificial intelligence systems (AI systems). The government and private companies will use advanced AI tools and other surveillance technology before, during and after the Games. The security risk increases so much due to the rush of international tourists during the Olympics that officials and critics have described it as 'the world's largest security operation other than war'. The French government, in collaboration with the private technology sector, has used advanced technological tools for surveillance and data collection in view of the legitimate need to increase security. Its surveillance plans, including the controversial use of experimental AI video surveillance, are so extensive that the law had to be changed to legalise them. According to reports, the Prime Minister's Office has issued a provisional order allowing the government to increase traditional, covert surveillance and information gathering means during the Games. Surveillance can and does need to be increased as security risks increase. However, preventive measures must be proportionate to the risks. Critics around the world claim that France is using the Olympics as an excuse to increase its surveillance grip and that the government will use this 'extraordinary' surveillance to increase state surveillance on society. At the same time, there are legitimate concerns about adequate and effective surveillance for security. For example, in the US, questions are being raised about why the Secret Service's security surveillance failed to prevent an assassination attempt on former President Donald Trump. With a new comprehensive surveillance law, France is working with AI companies to implement extensive AI video-based surveillance. They have used AI technology to monitor crowds at important music festivals, sporting events and metro and railway stations, including a Taylor Swift concert and the Cannes Film Festival. French officials say the success of these AI surveillance experiments is a 'green light' for their use in the future. AI software is typically designed to flag events such as changes in crowd size and movement, discarded objects, the presence or use of weapons, bodies on the ground, smoke or flames and traffic violations. The goal is for surveillance systems to detect events such as a crowd moving towards a gate or someone leaving a bag on the corner of a busy street in real time and alert security personnel. Using technology to flag these events seems logical and sensible. But real privacy and legal questions arise about how these systems work and how they are used. What will be done with so much data after it is collected and who will have access to it? There is a lack of transparency to answer these questions.

Despite security measures to prevent the use of biometric data that can identify people, it is still very likely to be misused. By giving private companies access to thousands of video cameras already installed in France, by using and coordinating the surveillance capabilities of rail companies and transport operators, and by allowing the use of drones with cameras, France is allowing and supporting these companies to test and train AI software on its citizens and visitors. Security and privacy concerns at the 2022 Winter Olympics in Beijing were so great that the FBI urged 'all athletes' to leave their personal cellphones at home and only use prepaid phones in China, because of the heightened government surveillance. However, France is a member state of the European Union. The EU's General Data Protection Regulation is one of the strongest data privacy laws in the world, and the EU's AI Act is regulating the harmful use of AI technologies. France should therefore follow EU law. In preparation for the Olympics in 2023, France enacted Law No. 2023-380, which includes controversial Article Seven, which allows French law enforcement agencies and its tech contractors to experiment with AI video surveillance, and Article Ten, which specifically allows the use of AI software to review video and camera feeds. Scholars, civil society groups, and civil liberties advocates allege that these articles contradict the General Data Protection Regulation and the European Union's efforts to regulate AI. However, French officials and tech company representatives have said that AI software can accomplish its goals of identifying suspicious events without identifying people. But critics argue that capturing and processing biometric data is too complex and too complex for AI users. This is being done, and thus the French law violates the General Data Protection Regulation. AI surveillance has so far been mutually beneficial for the French government and AI companies. But these AI-enabled surveillance systems are poorly regulated. Once biometric data is collected, there is always a risk of privacy violations.

व्यापारियों के साथ नगर आयुक्त से मिले शहर विधायक, उत्पीड़न न करने को कहा

मुरादाबाद- महानगर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर व्यापारियों व छोटे कारोबारियों का उत्पीड़न न करने और बुलडोजर चलाने की धमकी देकर उजाड़ने के लिए डराने से बचने की सलाह नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता ने नगर आयुक्त से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने जेल रोड स्थित

व्यापारियों व भाजपा के महानगर अध्यक्ष और कई पार्षदों के साथ शनिवार को नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल से मिलकर नाराजगी जताई। कहा कि मुख्यमंत्री का संदेश है कि लोगों का बिना वजह उत्पीड़न न हो। शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने जेल रोड पर रेहड़ी, पटरी वालों और दुकानों के आगे लाल निशान लगाया था। जिसका व्यापारियों व रेहड़ी, पटरी वालों ने सड़क जामकर और प्रदर्शन कर विरोध जताया था। जिसके बाद नगर विधायक भी मौके पर पहुंच गए थे। लाल निशान लगाने के विरोध में शनिवार को दोपहर तक व्यापारियों व रेहड़ी, पटरी वालों ने अपनी दुकानें बंद रखी। नगर विधायक ने नगर आयुक्त से मिलकर व्यापारियों की समस्या बताई। कहा कि बिना नोटिस दिए और कहीं उनको उचित जगह दिए बिना रेहड़ी, पटरी वालों पर जेसीबी चलाना गलत है। मुख्यमंत्री ने अपराधियों पर जेसीबी चलाने के लिए कहा है न कि व्यापारियों और कमजोर वर्ग के लोगों को उजाड़ने के लिए। नगर आयुक्त ने बताया कि नियमानुसार ही अतिक्रमण शासन के निर्देश के क्रम में हटाया जा रहा है। किसी का उत्पीड़न करने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। नगर विधायक ने कहा कि व्यापारियों के साथ ज्यादती को वह सहन नहीं करेंगे। सभी को समझाकर तब कोई कार्रवाई की जाए। नगर आयुक्त से मिलने के दौरान भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा, पार्षद अजय तोमर, देशरत्न कत्याल, सुरेंद्र विश्नोई आदि मौजूद रहे। वहीं, बाहर बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी व रेहड़ी पटरी वाले डटे रहे। वहीं वार्ता के बाद अपर नगर आयुक्त प्रथम अतुल कुमार जेल रोड पर लाल निशान लगने की प्रक्रिया का सत्यापन करने पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों से बातचीत कर समझाया। अपर नगर आयुक्त द्वितीय अजीत कुमार ने बताया कि नगर विधायक के साथ नगर आयुक्त की हुई वार्ता में सहमति बनी है कि एक कमेटी बनाकर सत्यापन करने के बाद कदम बढ़ाया जाएगा। नाले पर अतिक्रमण से जलनिकासी की समस्या बनी है। नाला सफाई के लिए अतिक्रमण हटाना भी जरूरी है। फिर भी सभी पहलुओं को देखने के बाद नगर आयुक्त के निर्देश पर आगे कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त से मुलाकात में यह तय हुआ है कि बिना बसाने का उपाय किए किसी को उजाड़ा नहीं जाएगा। अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान निकालने तक कोई कार्रवाई न की जाए। मैंने सुझाव दिया है कि जेल रोड पर खाली जगह पर इन दुकानदारों को आवंटन कर उनकी रोजी रोटी का भी निगम प्रशासन ध्यान इंतजाम करे। सरकार और मुख्यमंत्री की मंशा किसी को उजाड़ कर सड़क पर लाना नहीं है। इसका ध्यान अधिकारी रखें।-रितेश कुमार गुप्ता, नगर विधायक

जेल रोड पर अतिक्रमण हटाने का विरोध कर रहे हैं दुकानदार व कारोबारी, एक दिन पहले लाल निशान लगाने पर सड़क जाम कर दुकानदारों ने किया था प्रदर्शन

दुकानों का सत्यापन पूरा, बंद रहेंगी मीट की दुकानें...कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए तैनात दो रहेंगे हजार पुलिसकर्मी

मुरादाबाद- कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों के लिए अपना व कर्मचारी का नाम, मोबाइल नंबर और रेट लिस्ट लगाने का आदेश लागू कर दिया गया है। कांवड़ यात्रा की शुचिता बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया है। महानगर में कांवड़ पथ पर लगी दुकानों का सत्यापन कार्य पूरा हो गया है। मार्गों पर लगी मीट की दुकानों को सावन के पहले सोमवार से बंद करने का आदेश दिया गया है। कांवड़ियों की सुरक्षा-व्यवस्था के लिए दो हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं छह सौ अतिरिक्त जवान भी मुस्तैद रहेंगे। आसमान से लेकर जमीन तक पुलिस की निगरानी रहेगी। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पथ पर छोटे-बड़े व्यापारियों को सत्यापन के लिए चिह्नित किया गया है। जिसका रिकॉर्ड थाने के रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। वहीं कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों के लिए अपना व कर्मचारी का नाम, मोबाइल नंबर और रेट लिस्ट लगाने का आदेश लागू कर दिया गया है। एसपी सिटी ने बताया कि परंपरागत कांवड़ यात्रा के कड़े बंदोबस्त को लेकर दो हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। जिसमें से 258 यातायात पुलिस कर्मी हैं। कांठ रोड पर लगी मीट की दुकानों का सत्यापन पूरा हो चुका है। दुकानदारों ने बताया है कि दो दिन पहले पुलिस वालों ने सोमवार से दुकानें बंद करने का आदेश जारी किया है। जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी रहेगी पुलिस निगरानी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 48 इंस्पेक्टर तैनात रहेंगे। वहीं 261 दरोगा, 251 हेडकांस्टेबल और 250 महिला कांस्टेबल समेत 1100 सिपाही मुस्तैद रहेंगे। पुलिस की जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी रहेगी। वहीं 258 यातायात पुलिसकर्मियों को भी सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई। एसपी सिटी ने बताया है कि सोशल मीडिया पर भी निगरानी की जा रही। यदि किसी ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक या भड़काई पोस्ट डाल कर माहौल खराब करने की कोशिश की तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। सेक्टरों बांटा जनपद - कांवड़ यात्रा को लेकर जनपद को 9 जोन और 24 सेक्टर में बांटा गया है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि जोन की जिम्मेदारी सीओ और मजिस्ट्रेट को सौंपी गई है। जबकि सेक्टर की कमान थाना प्रभारी और इंस्पेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इनके अलावा 44. सब सेक्टरों की कमान दरोगाओं को दी गई है। प्रत्येक थाना क्षेत्र में कांवड़ मार्ग पर पुलिस की ओर से सहायता केंद्र भी बनाया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर कांवड़ियों को तत्काल राहत पहुंचाई जा सके। थानों, चौकी में तैनात पुलिस कमियों के अलावा 600 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। एक कंपनी आरएएफ और एक कंपनी पीएसी जवानों की भी लगाई गई है। क्या बोले दुकानदार?- अकबर के किला के सामने जुनैद की मीट की दुकान है। उन्होंने बताया है दो दिन पहले पुलिस वाले नाम और नंबर लिखकर ले गए थे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें सोमवार से दुकान बंद करने का निर्देश दिया है। वह किराये की दुकान में व्यापार करते हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ा यात्रा को लेकर एक तक दुकान बंद करने का फरमान दिया है। मौसीन की हरथला सब्जी मंडी चौराहे पर मीट की दुकान है। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया है कि पुलिसकर्मी दुकान का नाम और नंबर नोट करके ले गए है। उन्हें भी सोमवार से कान बंद करने का निर्देश दिया गया है। वहीं पड़ोसी फैजान समेत आसपास में की चार-पांच दुकानों को भी बंद करने का निर्देश दिया गया है।

जनेह पुलिस को नशे के विरुद्ध मिली बड़ी सफलता मेडिकल दुकान संचालक सहित यू.पी. के तीन आरोपी हुये गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

त्योंथर रीवा - पुलिस अधीक्षक रीवा द्वारा नशे के विरूद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहत एसडीओपी त्योंथर श्री उदित मिश्रा के नेतृत्व में टीम द्वारा दिनांक 19/07/24 को नशे के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही करते हुए 1000 शीशी नशीली कफ सिरफ सहित एक नग मोटर साइकिल कुल

कीमती 240000 रुपये को बरामद किया गया एवं उक्त नशीली कफ सिरप की तस्करी करने वाले मेडिकल दुकान संचालक सहित 03 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। दिनांक 19.07.24 को मुखबिर सूचना पर थाना जनेह स्टाफ द्वारा रेड कार्यावाही कर पटहट कला में दो व्यक्तियों को पकडा गया जिनके कब्जे से एक नग मोटरसाइकिल सहित कुल 08 नग नीले रंग के बैग मिले जिनमे कुल 1000 शीशी WINGS PHARMA WINCEREX COUGH SYRUP Õरामद हुआ जिसे परिवहन एवं रखने के संबंध मे आरोपीगणों द्वारा कोई लायसेन्स पेश नही किया गया, जो बरामद कुल 1000 शीशिया नशीली कफ सिरप व मोटर साइकिल को जप्त किया जाकर आरोपीगण 02 नफर को धारा 8,21,22 एनडीपीएस एक्ट 5/13 औषधि नियंत्रण अधिनियम में गिरफ्तार किया गया बाद आरोपीगणो द्वारा पूछताछ की गई जिनके द्वारा ब्रजेश प्रजापति निवासी दरियाबाग कोराना थाना अतरसुइया जिला प्रयागराज से अवैध नशीली कफ सीरप लेना बताया जिसे भी गिरफ्तार किया गया।

पदस्त शिक्षक की वापसी को लेकर ग्रामीणों ने सौपा कलेक्टर को ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच

मूल पदस्थापना को छोड़कर पिछले4 वर्षो से अटैच करवाकर ओड़गी बालक छत्रावास अधीक्षक के पद पर जमे हुऐ है आज सरकार सहित प्रशासन शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम बनाने का प्रयास कर रहे हैं छात्राओं को पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दे रहे हैं लेकिन अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही से बच्चों के भविष्य के साथ किस तरह से खिलवाड़ हो रहा है यह देखने को मिला है शिक्षक के मांग को लेकर के ग्रामीण व जनप्रतिनिधि ने एक बार फिर से कलेक्टर की ओर निहार रहे है और लिखित आवेदन जिले के सबसे तेज तर्रार कलेक्टर को दे डाला है ग्रामीणों का कहना है कि हमारे द्वारा इससे पूर्व में भी पदस्थ शिक्षक जैल सिंह को वापस करने के लिए हमने सहायक आयुक्त से लेकर के कई बार जनदर्शन में भी आवेदन दिया लेकिन उस पर कोई सुनवाई नहीं किया गया जिस कारण ग्रामीण काफी निरास लौटे हैं वही इस बार फिर से कलेक्टर को आवेदन देकर के पदस्थ शिक्षक जैल सिंह को वापस करने के लिए आवेदन दिया। आपको बताते चलें की प्राथमिक शाला मसनकी के स्कूल में जहां लगभग 35 बच्चें शिक्षा अध्यन कर रहे हैं वही 5 महीने पहले से प्रधान पाठक निलंबित हैं और व्यवस्था के तहत वहां शिक्षक लाया गया है जो की ग्रामीणों के बताए अनुसार शिक्षा व्यवस्था बिल्कूल भी सही नही है इसकी जानकारी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को मालूम होते हुऐ भी इसपर कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं वह मूक दर्शक बने देख रहे हैं जबकि ऐसा मामला में उनको यह बात उच्च अधिकारियों तक रखना चाहिए लेकिन अपने दायित्व से भागते नजर आ रहे हैं ऐसे हालात में ओड़गी शिक्षा का हाल है खस्ता बच्चों की पढ़ाई अब अंधकार मय नजर आ रहा हैं जिससे ग्रामीणों के मनसा अनुसार साय सरकार पर भरोसा उठता हुआ दिखने लगा है अगर बात करें तो ग्रामवासी है इनके रवैए से त्रस्त हैं और शिकायत करने के बाद भी शिक्षा का स्तर ठीक नही हो रहा है कलेक्टर क्या एक्शन लेते हैं।। ग्रामीणों ने कहा बार बार आवेदन निवेदन से भी ग्रामीणों को उनके समस्या पर प्रशासन गंभीर नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की बात भी आवेदन में कही गई है और ग्रामीणों का साफ कहना है कि शिक्षक जैल सिंह की वापसी नही होने के स्तिथि में ओड़गी चौक में ग्रामीण धरना पर भी बैठेंगे जिसमे मसनकी सरपंच सहित अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।। इस विषय में महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि शिक्षा सबका मूल अधिकार है और इस प्रकार के लापरवाही बिल्कुल सही नहीं हैं मैं इस विषय में जिला शिक्षा अधिकारी से बात कर मामला को जल्द से जल्द समाधान करने का प्रयास करूंगी । वही जिला शिक्षा अधिकारी ने इसपर संतोष जनक ब्यान नहीं दिया उन्होंने कहा मैं देखता हूं। इससे पहले भी जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा खर्रा में हुए स्कूल के छत गिर जाने पर सूचना दिया गया था लेकिन अभी तक उसे पर उनके द्वारा कुछ नहीं किया गया अब यह देखना है कि इस मामले को लेकर के जिला शिक्षा अधिकारी और प्रतिनिधि कैसे प्रतिनिधित्व करते हैं और पदस्थ शिक्षक को वापसी कब तक कराते हैं।।

शहीद फौजी रूपेंद्र तोमर का पूरे सैन्य सम्मान के साथ 13 वर्षीय पुत्र हिमांशु ने मुखाग्नि देकर किया अंतिम संस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- झिंझाना थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर निवासी रूपेंद्र तोमर 2004 में मिलिट्री में भर्ती हुआ था। जो आजकल श्रीनगर इलाके में ड्यूटी कर रहा था। शुक्रवार को श्रीनगर की पहाड़ियों पर ड्यूटी के दौरान शहीद हो गया। शुक्रवार को जब यह सूचना परिजनों को गांव में मिली तो घर में जब से ही कोहराम मचा हुआ है। रूपेंद्र के शहीद होने से पूरे इलाके में दुख की लहर है। रूपेंद्र की शहादत की

खबर सुनकर इलाके को ही नहीं, प्रशासन को भी दुख हुआ है। यह सूचना सुनकर जिले के प्रभारी एवं लोक जनशक्ति मंत्री दिनेश खटीक पूरे प्रशासनिक अमले और जिले के विधायकों के साथ बीबीपुर जलालाबाद गांव में शहीद के घर पहुंचे?, और परिजनों को सांतवना दी। इस मौके पर ग्राम प्रधान ने करनाल हाईवे से गांव तक करीब डेढ़ किलोमीटर की सड़क को शहीद के नाम पर बनवाने की मांग की। जिस पर प्रभारी मंत्री ने सड़क बनवाने के साथ-साथ गेट बनवाने का भी आश्वासन दिया। मौके पर मौजूद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस मौके पर शामली जिलाधिकारी रविंद्र सिंह, अपर जिला अधिकारी संतोष कुमार, पुलिस अधीक्षक रामसेवक गौतम, शामली सद्रलालोद विधायक प्रसन्न चौधरी, थानाभवन विधायक अशरफ अली खान, भाजपा जिला अध्यक्ष तेजेंद्र निर्वाल, पूर्व अध्यक्ष सत्येंद्र तोमर, ऊन ब्लॉक प्रमुख चौधरी रामपाल सिंह, भाजपा नेता अनिल चौहान, थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह तथा सुरेश राना आदि अधिकारीगण और नेतागणों ने शहीद के घर पहुँच कर सांत्वना दी। सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है।शुक्रवार को श्रीनगर के स्वर्ण कोट में बलिदान हुए रूपेंद्र तोमर का पार्थिव शरीर रविवार की सुबह शामली जिले में झिंझाना के राष्ट्रीय शिक्षा सदन इंटर कालेज के मैदान में पहुंचा। जहां पर बलिदानी को श्रद्धांजलि देने के लिए अंतिम यात्रा निकाली गई। जिसमें क्षेत्र के हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं जनपद का सरकारी अमला एवं नेताओं ने भी नम आंखों से बलिदानी को अंतिम विदाई दी। अंतिम विदाई यात्रा कस्बे से होते हुए बलिदानी के पैतृक गांव बीबीपुर जलालाबाद पहुंची। यात्रा में डीजे पर देशभक्ति गीत और जब तक सूरज चांद रहेगा रुपेन्द्र तोमर तेरा नाम रहेगा के नारे गूंजते रहे। बलिदानी को सैन्य सम्मान एवं गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी देते हुए अंतिम विदाई दी। बलिदानी को मुखाग्नि उसके 13 वर्षीय नाबालिग पुत्र हिमांशु ने दी। इस दौरान हजारों की आंखें नम हो गई।

संक्षिप्त समाचार

अभद्र टिप्पणी मामला: छह अगस्त को कोर्ट में गवाही देंगी अभिनेत्री जयाप्रदा, पूर्व सांसद आजम खां को भी जारी हुआ समन

मुरादाबाद- पूर्व सांसद व अभिनेत्री जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में आजम खां समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने वाले मुंशी के बयान दर्ज किए गए। एमपी-एमएलए कोर्ट ने समन जारी करते हुए गवाही के

लिए अभिनेत्री, आजम खां समेत अन्य लोगों को 6 अगस्त को तलब किया है। बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कटघर थाना क्षेत्र के मुस्लिम डिग्री कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में रामपुर के पूर्व सांसद आजम खां, तत्कालीन सपा सांसद डॉ. एसटी हसन समेत अन्य सपा नेता शामिल हुए थे। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान रामपुर की पूर्व सांसद व अभिनेत्री जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। इस मामले में रामपुर निवासी मुस्तफा हुसैन ने आजम खां, डॉ. एसटी हसन, अब्दुल्ला आजम, फिरोज खां, आयोजक मोहम्मद आरिफ, रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर खां के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट एमपी सिंह की अदालत में की जा रही है। विशेष लोक अभियोजक मोहनलाल विश्नोई ने बताया कि शनिवार को कटघर थाने में तैनात तत्कालीन एफआईआर लिखने वाले कांस्टेबल दीपक कुमार के अदालत में बयान दर्ज किए गए। जिसके बाद अदालत ने छह अगस्त को रामपुर की पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा समेत अन्य गवाहों को गवाही के लिए तलब किया है।

शामली गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बालाजी धाम पर हवन का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- शामली बालाजी धाम करनाल रोड पर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भजन संध्या एवं महायज्ञ एवं महा आरती का आयोजन किया गया जिसमें गुरु पूर्णिमा पर श्री बालाजी धाम पर भक्त जनों ने पहुंचकर महायज्ञ में भाग लिया और जिन भक्तों ने बालाजी महाराज को अपना गुरु बनाया है उन भक्तों ने श्री बालाजी महाराज को तिलक लगाकर बाबा का आशीर्वाद लिया और काफी संख्या में भक्त जनों ने बाबा

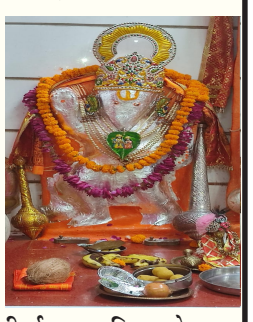

को अपना गुरु बनाकर बाबा का आशीर्वाद एक शिष्य के रूप में प्राप्त किया और बाबा से अपने मनोकामना मांगी इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष वरूण संगल धंनजय मित्तल मकेश गगँ शोभित गगँ उत्तम जिन्दल कुबेर संगल आदि मौजूदा रहे

बिजली विभाग की लापरवाही से लाइनमैन की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -रवि शंकर

अलीगढ़ पाली मुकीमपुर गांव रूपवास हरपाल आयु 33 बर्ष मृतक पर एक लड़का एक लड़की पत्नी परिवार जनों गांव में गमगीन का माहोल है सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम को मोर्चरी भेजी है सूचना पर पहुंचे पुलिस ने मृतकरुक सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की बॉडी को मर्चरी भेजा है

KYUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एक पेड़ मां के नाम प्रशासनिक अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों ने भी किया वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रूखाबाद- पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ वृक्षारोपण जन अभियान 2024 का शुभारंभ मा0 मंत्री उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश श्री योगेंद्र उपाध्याय द्वारा मा0सांसद मुकेश राजपूत, मा0 विधायक अमृतपुर सुशील शाक्य,मा0 विधायक सदर मेजर सुनील दत्त द्विवेदी,भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश गुप्ता,आयुक्त एवं निदेशक उद्योग राजेश कुमार व जिलाधिकारी डॉ0वी0के0सिंह की उपस्थिति में पौधरोपण कर किया गया, इस अभियान के तहत जनपद में 38.43 लाख पौधे लगाये गए। पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान 2024 卐एक पेड़ माँ के नाम卐 कार्यक्रम के अंतर्गत रम्मना गुलजारबाग फर्रुखाबाद में मा0मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 योगेंद्र उपाध्याय व मा0 सांसद मुकेश राजपूत, मा0 विधायक सुशील शाक्य, मा0विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, जिलाध्यक्ष भाजपा रूपेश गुप्ता, आयुक्त एवं निदेशक उद्योग उ0प्र0 राजेश कुमार,मुख्य वन संरक्षक कानपुर पश्चिमी एन0रविन्द्र, जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र,प्रभागीय निदेशक, वानिकी प्रशिक्षण संस्थान कानपुर श्रद्धा यादव,व नगर मजिस्ट्रेट द्वारा वृक्षारोपण किया गया,शहर के विभिन्न पार्को, स्कूल कालेजों, समस्त ग्राम पंचायतों, ब्लॉक, तहसीलों सहित कुल 26 विभागों की सहभागिता से जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ, इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों को वन विभाग द्वारा पौधे भेंट किये गये। इस आयोजन में उपस्थित जन समूह व स्कूली छात्र छात्राओ को संबोधित करते हुऐ मा0मंत्री जी ने कहा कि पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया जा रहा है, मानव जीवन मे वृक्षारोपण की बहुत उपयोगिता है, प्रकृति हमारी माँ है, हमे अगर अपना कल बचाना है तो हमे प्रकृति को बचाना होगा, प्रकृति को बचाने के लिये सभी एक पेड़ अपनी माँ के नाम पर जरूर लगाए, पेड़ों द्वारा कार्बन डाई ऑक्साइड का अवशोषण कर उसे आक्सीजन में परिवर्तित किया जाता है,पूरे प्रदेश में 36.26 करोड़ पौधों को रोपित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन उप प्रभागीय निदेशक फर्रुखाबाद ओम प्रकाश द्वारा किया गया इसके अतिरिक्त मोहम्दाबाद ब्लॉक के दुल्लमई ग्राम में नोडल अधिकारी आयुक्त एवं निदेशक उद्योग राजेश कुमार की अध्यक्षता में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एआरटीओ ने स्कूली वाहनों पर 45 हजार रुपए का लगाया चार्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रूखाबाद- कायमगंज / फर्रुखाबाद ।विना परमिट व फिटनेश के ही प्रयोग में लाए जा रहे मिले वाहनों पर हुई कार्रवाई बिना परमिट व फिटनेस के चल रहे स्कूली वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए एआरटीओ सुभाष राजपूत ने कायमगंज में सघन चेकिंग अभियान चलाया । उनके साथ कोतवाली के इंस्पेक्टर रामऔतार ने भारी फोर्स के साथ स्कूलों के वाहनों को चेक किया। जहां शकुंतला देवी कालेज में स्कूली वाहन की जनवरी 2024 से फिटनेस व परमिट खत्म होने पर 17 हजार का जुर्माना लगाया गया। जबकि एपी पब्लिक स्कूल के वाहन की फिटनेस 2017 से खत्म हो चुकी थी वही परमिट भी खत्म हो चुका था। इस पर उन्होंने 17 हजार का जुर्माना ठोका है। इसके अलावा आयशा स्कूल के स्कूली वाहन का परमिट न दिखा पाने पर 11 हजार का जुर्माना लगाया। एआरटीओ ने बताया कि स्कूलों में बिना परमिट व फिटनेस के चल रहे वाहनों के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान आगे भी चलता रहेगा । कार्यवाही में पकड़े गए सभी वाहन कोतवाली में खड़े करा दिए हैं।

एआरपी ओमदत्त शर्मा प्राथमिक विद्यालय पहुंच कर विद्यार्थियों मनोबल बढ़ाया

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रूखाबाद- फर्रुखाबाद/कायमगंज। इस दौरान छात्रों की जिज्ञासा के अनुरूप दिए गए उत्तर बच्चों को बेसिक स्तर से ही अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए कई तरह के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं । इसीलिए शासन द्वारा निःशुल्क पुस्तकें - स्कूल बैग - जूता मोजा - मद्यान्ह भोजन - समय समय पर शिक्षकों को विशेष जानकारियां देने के लिए वीआरसी आदि पर शिविरों का आयोजन आदि की व्यवस्था की जा रही है । ठीक इसी तरह स्कूली बच्चों के ज्ञान वर्धन हेतु सर्पोटिव तरीका अपनाया जा रहा है । जिससे बच्चों के पठन पाठन का स्तर सही हो सके । इस कार्यक्रम को धरातल पर सुचारू रूप से संचालित करने के लिए वि0 ख0 कायमगंज के प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में एआरपी ओमदत्त शर्मा ने सपोर्टिव सुपरविजन किया ।-सुबह से हो रही वारिस के बाबजूद स्कूल पहुंचकर उन्होंने कक्षा चार के बच्चों की जिज्ञासाओं को समझा तथा उचित क्रियात्मक ढंग से उत्तर दे हल कराया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। प्रधानाध्यापक राज किशोर शुक्ल ने बताया कि विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया जाएगा ।जिसमें अभिभावकों को भी एक - एक वृक्ष लगाने के लिए पिछली बैठक में अनुरोध किया था। किए गए वृक्षारोपण की जानकारी का भी प्रयास किया जायेगा ।

जिलाधिकारी और एसपी ने फीता काटकर किया मेडिकल एवम विश्राम केम्प का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल के द्वारा कावड़िया मेडिकल एवम विश्राम केम्प का शुभारंभ पीता काटकर जिलाधिकारी और एसपी ने किया। रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा यह अबकी बार आठवां कावड़िया मेडिकल एवं विश्राम केम्प का शुभारंभ किया गया है। जिसमें उन्होंने आज से शुरुआत कर राजस्थान और अन्य दूर दराज जाने वाले कावड़ियों की सेवा भी शुरू कर दी है। जिला अधिकारी ने इसमें उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कावड़ियों की सेवा के लिए शासन प्रशासन के साथ खड़े होने पर बधाई दी। आज सावन महीने का पहला दिन है जहां उसी के चलते रेड क्रॉस सोसाइटी और ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल के सौजन्य से कावड़िया मेडिकल के एवं विश्राम स्थल कैंप का आयोजन किया गया जिसका फीता काटकर शुभारंभ जनपद के जिला अधिकारी रविंद्र कुमार और एसपी रामसेवक गौतम ने किया मौके पर अपर जिला अधिकारी संतोष कुमार सिंह और सीएमओ अनिल कुमार सिंह मौजूद रहे। जहां फीता काटने के बाद आने वाले कावड़ियों का स्वागत भी ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल के अध्यक्ष कुशांक चौहान ने किया और कावड़ियों का सम्मान करते हुए उनकी सेवा के लिए अपने साथियों को लगा दिया कावड़िया मेडिकल कैंप और विश्राम स्थल कैंप के शुभारंभ होते ही जहां राजस्थान व अन्य जाने वाले कावड़ियों कावड़ियों को विश्राम और मेडिकल सुविधा मिलेगी।वहीं मौके पर मौजूद एसपी रामसेवक गौतम ने बताया कि हिंदुस्तान में सभी लोग अपना अपना कम कर रहे हैं। लेकिन बोले की भक्ति में जो लोग पैदल चलकर गंगाजल लेकर अपनी मंजिल की ओर बढ़ते हैं उनकी सेवा करने का आनंद ही कुछ और आता है। वहीं उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन के लोगों के साथ-साथ कुशाक चौहान जैसे सामाजिक व्यक्ति भी कावड़ियों की सेवा में लगते हैं, तो यह कावड़ का मेला बड़े ही हर्षोल्लास और शांतिपूर्वक कावड़ियों की सेवा करते हुए गुजर जाता है। वही इस मामले में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि कावड़ मेले के दौरान जहां कांवड़ियों की सेवा के लिए पुख्ता इंतजाम किया जाते हैं।वहीं इस तरह के मेडिकल कैंप और विश्राम कैंप लगाकर कावड़ियों की सेवा की जाती है और माहौल शिव मय हो जाता है। कावड़ियों की सेवा के लिए सरकारी सुविधाओं के साथ-साथ समाजसेवी उनकी सेवा में लगे रहते हैं। जिससे कांवड़ियों की यात्रा सुखमयरहती है।

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुलजारी वाले शिव मंदिर पूजा पाठ एक विशाल भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली- शामली जनपद शामली के सिद्ध पीठ प्राचीन गुलजारी वाले शिव मंदिर पर गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आज सुबह से पूजा पाठ एवं एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में भक्तजन गुरुदेव का आशीर्वाद लेने पहुंचे जिसमें महंत श्री शैलेंद्र गिरी जी ने कहा कि बिना गुरु के रास्ता नहीं मिलता बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त नहीं होता बिना गुरु के भगवान नहीं मिलता और कहा कि बिना गुरु के मनुष्य को मोक्ष नहीं मिलता बिना गुरु के मनुष्य एक निर्बल प्राणी है सभी मनुष्य को अपना गुरु मानना चाहिए चाहे किसी को भी बनाएं गुरु बिना कुछ नहीं यह कहते हुए मां श्री शैलेंद्र गिरी जी ने कहा कि बाबा के दरबार पर आए सभी भक्तजन प्रसाद लेकर ही जाएं बाबा की सेवा में आने वाले भक्त जनों के लिए मंदिर में काफी व्यवस्था की गई और शाम को बाबा भोलेनाथ का एक भव्य श्रृंगार किया गया ढोल नगाड़े के साथ बाबा भोलेनाथ की एक भव्य विशाल आरती की गई जिसमें बाबा की आरती देखने के लिए दूर-दूर से भक्तजन शामिल हुए और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया बाबा भोलेनाथ की आरती में आए भक्त जनों के लिए प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई ताकि सभी भक्त जनों को प्रसाद मिल सके

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला फांसी के फंदे पर लटकना मिला, युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - संदिग्ध परिस्थित्यों मे एक युवक के शव पड़ोसी के बाग़ मे फांसी के फंदे से लटकता पाया गया। शव देख कर लोगो ने पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मल्हीपुर थाना के पुलिस चौकी जमुनहा अंतर्गत ग्राम पंचायत फतेहपुर बनगई के मजरा फतेहपुर निवासी मो उमर 19 पुत्र मो नफीस सुबह घर से निकला था। जिसका शव उसके गांव से एक किलोमीटर दूर पड़ोसी गांव मनकौरा के पास स्थित शीशम की बाग़ मे पेड़ के सहारे लटकता मिला कुछ लोगो ने फंदे से लटकता शव देखकर पुलिस को सूचित किया सूचना मिलने पर मल्हीपुर थानाध्यक्ष जय हरी मिश्रा व जमुनहा चौकी प्रभारी राम सजीवन निषाद पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुँचे । पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में ले लिया इसके बाद पहचान कराई और परिजनों को सूचितकिया और पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अप्रेनिटसशिप मेला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रुखाबाद - राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ठण्डी सड़क, फर्रुखाबाद में दिनांक 19.07.2024 व 30.07.2024, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अमृतपुर, फर्रुखाबाद में दिनांक 20.07.2024 एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कायमगंज, फर्रुखाबाद में दिनांक 23.07.2024 को प्रातः 10 बजे से रोजगार/अप्रेनिटसशिप मेला का आयोजन किया जायेगा।जिसमे जय भारत मारूति, टाटा ईवी कार मैनुफैक्करिंग, बजाज मोटर्स, एम0आर0एफ0 टायर जैसी अन्य कम्पनियाँ प्रतिभाग कर रही हैं। रिक्तियों की संख्या 800 है। अतः इच्छुक अभ्यर्थी अपना दस्तावेज-वायोडाटा हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, आई0टी0आई, डिप्लोमा, स्नातक के अंकपत्र व प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो इत्यादि साक्षात्कार के समय सभी दस्तावेजों के साथ उपरोक्त दी गयी तिथियों के अनुसार रोजगार/अप्रेनिटसशिप मेला में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

कॉवड़ यात्रियों के लिए सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें- डी एम

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रूखाबाद। जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0सिंह व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा संयुक्त रूप से श्रंगीरामपुर घाट पर काँवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा घाट पर बेरिकेडिंग कराने, प्रकाश की व्यवस्था करने व चेतावनी बोर्ड लगाने व पीने के पानी की व्यवस्था के लिये टैंकर लगाने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिये गये, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को यात्रा मार्ग की सड़कों के गड्ढे भरवाने के लिये निर्देशित किया गया,जिला पंचायतराज अधिकारी व खंड विकास अधिकारी कमालगंज को रोड से गंगा किनारे तक के कच्चे मार्ग का समतलीकरण कराने के लिये निर्देशित किया गया,थानाध्यक्ष कमालगंज को सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एफ0एस0डी0ए0 द्वारा छापामार कार्यवाही कर जांच हेतु नमूने संग्रह किये गए

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रूखाबाद- आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने एवं मिलावटी खाद्य व पेय पदार्थो के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम व खाद्य/पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से सहायक आयुक्त (खाद्य)-ढुढ्ढु अजीत कुमार के निर्देशन में एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय प्रधान के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी गण डा0 शैलेन्द्र रावत व अरूण कुमार मिश्र द्वारा निम्न कार्यवाही सम्पादित की गयी।मन्नीगंज, जनपद-फर्रूखाबाद पर स्थित रामतीर्थ गुप्ता पुत्र शिव गोपाल गुप्ता के खाद्य प्रतिष्ठान रामतीर्थ गुप्ता एण्ड कम्पनी से खाद्य पदार्थ घी (पैक्ड), ब्राण्ड अनिक का नमूना व नगलादीना, भोलेपुर, स्थित कुलदीप कुमार अग्रवाल पुत्र ओम प्रकाश अग्रवाल के खाद्य प्रतिष्ठान पी0पी0 ट्रेडर्स से खाद्य पदार्थ पनीर (अमूल मलाई पनीर फ्रेश) मूलपैक का नमूना जाँच हेतु संग्रह किया गया।

पिकअप पलटने से पिकअप सवार हुए घायल पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द शुक्ला

फर्रूखाबाद- थाना जहानगंज प्रभारी निरीक्षक भोलेन्द्र चतुर्वेदी मय पुलिस बल के साथ बहोरिकपुर तिराहे के पास पिकअप पलटने की सूचना पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को इलाज हेतु लोहिया अस्पताल भेजा जहानगंज पुलिस के इस मानवीय कार्य की आम जनमानस में प्रशँसा कर रही है।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा थाना जहानगंज क्षेत्र में पिकअप पलटने की घटना के सम्बन्ध में सूचना मिलने पर राममनोहर लोहिया अस्पताल पहुँचकर घायलों से वार्ता कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

सावन में 50 लाख से अधिक रुद्राक्ष माला की खपत का अनुमान, 4 गुना बढ़ी महादेव से जुड़ी चीजों की मांग

मनभावन सावन में बाबा भोलेनाथ से जुड़ी हर चीजों की डिमांड बढ़ जाती है। उनका प्रिय रुद्राक्ष माला के साथ अन्य मॉर्डर्न चीजें जैसे टी-शर्ट, गमछा, ब्रेसलेट, अंगूठी, कान की बाली आदि की डिमांड होने लगते हैं। काशी नगरी में छोटे-छोटे दुकान से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स भी इन आइटम्स से भरे पड़े रहते हैं।रुद्राक्ष का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। भगवान शिव को भी यह अतिप्रिय है। आम दिनों के अलावा सावन में इसकी मांग चार गुना बढ़ जाती चढ़ाकर पूजन करते हैं। बनारस में भारत के हिमालयी रुद्राक्ष की माला आती है। इस बार 50 लाख से है।बनारस में विश्वनाथ गली में रुद्राक्ष का कारोबार के जिलों के अलावा दक्षिण के राज्यों में भी भेजी कारोबारी तुलसी पटेल ने बताया कि सावन में इसलिए सावन से दो-चार महीने पहले ही मंगा लिया इंडोनेशिया से आता है। नेपाल की माला लोग ज्यादा आने के बाद उसकी फिनिशिंग की जाती है। इसके भी ले जाते हैं। भगवान शिव की आंख है रुद्राक्ष- आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि रुद्राक्ष इसे भगवान शिव की आंख माना गया है। रुद्राक्ष इसको धारण करने से भगवान शिव की कृपा बरसती फलदायी होता है। इसके अलावा व्यक्ति में एकग्रता है। 21 मुखी तक होता है रुद्राक्ष- रुद्राक्ष एक मुखी, दो मुखी, पंचमुखी समेत 21 मुखी तक होता है। आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि एक मुखी भगवान शिव स्वयं धारण करते थे। दो मुखी गौरी शंकर के रूप में होता है। सामान्यत- लोग पंच मुखी रुद्राक्ष धारण करते हैं। मगर, एक मुखी रुद्राक्ष कम मिलता है। इसको धारण करने वाला बहुत शक्तिशाली होता है। फुटकर में इनकी कीमत 70 से 200 रुपये तक है। चार गुना बढ़ी काशी विश्वनाथ से जुड़ी चीजों की मांग- सावन पर काशी विश्वनाथ से जुड़ी चीजों की मांग चार गुना बढ़ी है। वहीं, लोग जमकर केसरिया और बाबा भोले प्रिंट टी-शर्ट, कुर्ते, हाफ पैंट, बैंड, ब्रेसलेट की खरीदारी कर रहे हैं। कांवड़ और अन्य चीजें भी थोक और फुटकर में बिक रही हैं। काशी रेडिमेड गारमेंट एसोसिएशन के संरक्षक श्रीनारायण खेमका ने बताया कि सावन में श्रीकाशी विश्वनाथ की फोटो, लकड़ी के कॉरिडोर मॉडल समेत अन्य चीजों की मांग काफी बढ़ जाती है। अन्य जिलों से फुटकर दुकानदार थोक में खरीदारी करते हैं। दशाश्वमेध व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेश तुलस्यान ने बताया कि बाजार में भगवा रंग के कपड़े छाए हुए हैं। मंदिर के आसपास इनकी मांग ज्यादा है। बाजार में कुर्ता 400 रुपये, ब्रेसलेट 200 रुपये, कड़ा 70 रुपये, बैंड 50 रुपये, बाबा भोले की टीशर्ट 200 से 250 रुपये तक है।

ग्राम पंचायत रामपुर में संचारी रोग अभियान के अंतर्गत व्यापक साफ सफाई

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर में सफाई कर्मी व ब्लॉक समन्वय चंद्रमणि शुक्ला द्वारा सेंचुरी रोग अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम को लेकर गांव में नालियां

को सफाई कर्मचारी द्वारा सफाई अभियान लगाकर साफ कराया गया और नालियों को साफ कराकर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी कराया गया ब्लॉक समन्वय चन्द्रमणि शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता कार्यक्रम का पालन करें और अपने घर आंगन को साफ रखें खाने के पहले साबुन से हाथ धोएं और सौच के बाद साबुन से हाथ धोएं तथा स्वच्छ कपड़े पहने और घर आंगन स्वच्छ रखें।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा एवं श्रावस्ती डीएम तथा श्रावस्ती विधायक द्वारा पौधा रोपण कर किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती -62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल भिनगा एवं जिला प्रशासन श्रावस्ती के सहयोग से मुख्य अतिथि रामफेरन पाण्डेय, माननीय विधायक श्रावस्ती एवं शशि भूषण लाल सुशील मंडलायुक्त वन विभाग लखनऊ, अजय कुमार द्विवेदी, जिलाधिकारी श्रावस्ती, अमरेन्द्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी, घनश्याम चौरसिया, पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती, निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट, 62वीं वाहिनी एस.एस.बी., भिनगा, सोनू कुमार, उप कमान्डेंट की उपस्थिति में नवीन गल्ला मंडी परिसर, भिनगा में वृहद् पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवीन गल्ला मंडी भिनगा परिसर में पेड़ लगा कर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुवात की इसके बाद एसएसबी अधिकारियों व जवानों, और स्थानीय जिला प्रशासन श्रावस्ती व् वन विभाग के अधिकारीयों एवं कार्मिको ने भी मिलकर नवीन गल्ला मंडी परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार, और औषधीय पौधे लगाए, इस दौरान स्थानीय समुदाय के लोग, स्कूली बच्चों और सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद् पौधरोपण कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमे लगभग 50 लाख पौधे लगाये जायेंगे। इस दौरान उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक निवेश है जो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण सुनिश्चित करेगा। हम सभी का कर्तव्य है कि हम पर्यावरण संरक्षण के इस प्रयास में पेड़ लगा कर अपना योगदान दें। एस.एस.बी. के अधिकारीयों एवं श्रावस्ती जनपद के सभी अधिकारियों के द्वारा जनपद वासियों से वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आग्रह किया 7 साथ ही लगाये गए पौधों की सुरक्षा बचाव के लिए अपील की। इस मौके पर 62वीं वाहिनी एस.एस.बी के समस्त अधिकारी एवं जवान और श्रावस्ती जिला प्रशासन, पुलिस प्रशान ग्रामीण उपस्थित रहे।

जाम से जूझा बलदेव: तीन किमी लंबी कतार, एंबुलेंस भी फंसी; दो घंटे हलक में अटकी रहीं परिजन की सांसें

भीषण गर्मी में बलदेव कस्बा घंटों जाम से जूझा। तीन किमी तक लंबी कतारें लगी रहीं। एंबुलेंस भी फंस गई। दो घंटे तक परिजन की सांसें हलक में अटकी रहीं। तीर्थनगरी मथुरा के बलदेव में रविवार को लोग जाम से कराह उठे। बलराम नगरी में तेज धूप और भीषण गर्मी में लगे जाम में लोग घंटों फंसे रहे।

श्रद्धालुओं व वाहनों की तीन किमी लंबी कतार लग गई। जाम में एंबुलेंस भी फंस गई। यह मरीज को लेकर मथुरा शहर जा रही थी। करीब दो घंटे बाद यह निकल सकी। बलदेव कस्बा के नरहौली चौराहा, अवैरनी चौराहा, कैलाश रोड़, मोती बाजार और शिवरतन बाजार में व्यवस्थाएं धराशायी हो गईं। मुख्य बाजार मंदिर मार्ग पर दोपहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसके बाद बड़े वाहन भी जम में फंस गए। भीषण गर्मी में लोग करीब तीन घंटे तक जाम में फंसे रहे।मुख्य बाजारों में जाम से निपटने के लिए कोई व्यवस्था नहीं दिखी। न ही कोई पुलिसकर्मी नजर आया। लोग गाड़ियों से उतरकर खुद ही व्यवस्था संभालते नजर आए। किसी तरह लोगों ने खुद ही व्यवस्था को दुरुस्त किया। करीब दो घंटे बाद एंबुलेंस को जाम से निकाला गया। जितनी देर तक एंबुलेंस जाम में फंसी रही, मरीज के परिजन की सांसें हलक में अटकी रहीं। वह ईश्वर से किसी भी तरह की अनहोनी से बचाने की प्रार्थना करते रहे। जाम से निकलने के बाद उन्होंने कुछ राहत की सांस ली। जाम से जूझ रहे लोगों ने बताया कि घंटों से जाम लगा है। कोई भी पुलिसकर्मी जाम खुलवाने के लिए नहीं आया। यहां पर सारी व्वयवस्थाएं राम भरोसे ही चल रही हैं। गुरु पूर्णिमा पर यहां हर वर्ष भीड़ उमड़ती है। इसके बावजूद प्रशासन की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई।

भीषण बाढ़ मे क्षतिग्रस्त मधवापुर मार्ग, अमजनमानस और ग्रामीण परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - राप्ती नदी मे आई भीषण बाढ़ से आसपास के गांव जलमग्न हो गए थे। बाढ़ का पानी अत्यधिक होने के कारण मल्हीपुर से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले मधवापुर मार्ग पर पानी बहने लगा था। जलस्तर घटने के बावजूद पानी के तेज बहाव के कारण शिकारी पेट्रोल पंप से लगाकर मधवापुर पुल के बीच छह स्थानों पर मार्ग कटकर छत ग्रस्त हो गया है। वही कटे मार्ग के बीच की लम्बाई 30 से 50 मीटर हो गई है। जिसकी वजह से मधवापुर नदी पार के निवासियो को अब तहसील कार्यालय,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मल्हीपुर थाना आदि जरूरी स्थानों के लिए 40 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय

करना पड़ता है । इस अतिरिक्त सफर के कारण ग्रामीणों को न केवल अधिक खर्च करना पड़ रहा है इसके बावजूद यदि किसी कारणवश उनका कार्य पूर्ण नही हो पाता, तो उन्हे अगले दिन फिर से इसी लम्बी यात्रा का सामना करना पड़ता है। सप्ताह बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा मार्ग की मरम्मत के लिए कोई राहत कार्य नही कराया गया है। ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कत और कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा हैं। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने राप्ती वैराज पहुँच कर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया था और मार्ग को ठीक करने के लिए उचाधिकारियो को निर्देश दिया था।

लक्ष्मण ने संभाल लिया गुलजार का ढाबा... नाम प्रदर्शित करने के मामले में बढ़ी बेचैनी

मुजफ्फरनगर में कांवड़ मार्ग पर नाम प्रदर्शित करने के फैसले से दिल्ली-दून हाईवे के दुकानदारों में बेचैनी पसरी है। नाम प्रदर्शित करने के मामले में बेचैनी बढ़ी है। लक्ष्मण ने गुलजार का ढाबा संभाल लिया। मुस्लिम संचालकों ने बंदी का फैसला किया है। कांवड़ मार्ग पर नाम प्रदर्शित करने के फैसले से दिल्ली-दून हाईवे के दुकानदारों में बेचैनी पसरी है। खतौली के ढाबा संचालक गुलजार ने किसी भी परेशानी से बचाव के लिए दस दिन के लिए संचालन की जिम्मेदारी मथेडी के लक्ष्मण सिंह को दी है। ढाबे पर कारीगरों की पहचान चस्पा कर दी गई है। कांवड़ मार्ग पर अल्पसंख्यक समाज के

दुकानदार ऊहापोह की स्थिति में आ गए हैं। किसी ने ढाबा किराए पर दिया और कोई यात्रा के दौरान बंद रखेगा। कुछ लोग अभी भी माहौल को भांप रहे हैं।सरधन के लोकेश कुमार के साक्षी टूरिस्ट ढाबे को अब तक आसिफ चला रहा था। लेकिन प्रकरण के तूल पकड़ते अब लोकेश खुद बैठ रहा है। ढाबे पर अल्पसंख्यक समाज का कोई कर्मचारी नहीं है। शिवा टूरिस्ट पंजाबी ढाबा के मालिक विश्वजीत चौधरी ने बताया कि उनका ढाबा गांव मुझेडा निवासी मोहम्मद इनाम संचालित कर रहा था। वह ढाबा छोडकर चला गया है। कांवड़ियों के बढ़ते ही बंद हो जाएंगे ढाबे- एसवी पंजाबी ढाबा के संचालक खतौली निवासी मोनू, शुएब ने बताया कि उन्होंने ढाबे पर अपने नाम का फ्लेक्स लगाया हुआ है। कांवड़ के दौरान रोड बंद होने पर वह भी अपना ढाबा बंद कर देंगे। प्रिंस ढाबा संचालक खतौली निवासी आदिल ने बताया कि उन्होंने अपने नाम का बोर्ड ढाबे पर लगाया है। कांवडियों के आने से पूर्व ही वह ढाबा बंद कर देंगे। वीर जी ढाबा संचालक खतौली निवासी पूर्व सभासद इसरार अहमद ने बताया कि ढाबे पर अपने नाम का फ्लेक्स लगाया गया है। वह 22 जुलाई को कांवड़ यात्रा पूरी होने तक ढाबा बंद कर देंगे। सरकार के फैसले से बढ़ेगी हीन भावना- कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा ने कहा कि कांवड़ मार्ग की दुकानों पर नाम प्रदर्शित करने का आदेश दुखद है। इस कदम से सामाजिक भेदभाव वह हीनभावना को बढ़ावा मिलेगा। हिंदू मुस्लिम व सभी धर्म के लोगों ने इस देश की आजादी की लड़ाई एक साथ लड़ी और देश को आजाद कराया था। भाजपा सरकार का आदेश पीडीए विरोधी मलिक- सपा नेता शमशेर मलिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सभी वर्गों के लोग मिलकर सेवा करते हैं। 2024 के चुनाव में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज ने यूपी में बड़ा झटका देकर बीजेपी को चुनाव हरा दिया है। कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों व प्रतिष्ठानों पर पहचान चस्पा करने का आदेश पीडीए विरोधी है, ये आदेश तुरंत वापस होना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने फैसले पर जताई नाराजगी- आम आदमी पार्टी ने कांवड़ मार्ग की दुकानों पर नाम प्रदर्शित करने के फैसले पर नाराजगी जताई। सदर स्थित कार्यालय पर जिला प्रभारी डॉ. अरूण सिंह की मौजूदगी में बैठक हुई। जिला प्रभारी ने कहा कि जब से भाजपा आम चुनाव में अधिक सीटें हारी है, तब से भाजपा हताशा में है। जिलाध्यक्ष अरविंद बालियान ने नाराजगी जताई। जिला महासचिव अजय चौधरी, संजीव मान, सुशील अहलावत, केशर अली, प्रेमपाल सिंह, अजय बरवाला, आलोक कुमार, अलीम रोशन मौजूद रहे। सरकार के फैसले की सराहना की- अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की जिला इकाई ने डिप्टी कलेक्टर परमानंद झा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम लिखित मांगपत्र सौंपा। सरकार के फैसले की सराहना की। इस मौके पर देशराज चौहान, अनुज विश्वकर्मा, अभिषेक गर्ग, बृजेश कुमार, संदीप धीमान, रविंद्र गोयल, बालेंद्र सिंह, अंकित कुमार, अभिषेक त्यागी, पवन पांचाल, पारस कुमार और राहुल सिंह उपस्थित रहे। क्रांति सेना ने की फैसले की सराहना- क्रांति सेना के अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा ने कांवड़ यात्रा के मद्देनजर होटल ढाबों के नामों को सार्वजनिक किए जाने के शासन प्रशासन के आदेशों को सही बताया। सरकार ने सराहनीय कदम उठाया। मनोज सैनी, शरद कपूर, आनंद प्रकाश गोयल, लोकेश सैनी, मुकेश त्यागी, देवेंद्र चौहान, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पूनम अग्रवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम चौधरी, अलोक अग्रवाल ने भी फैसले की सराहना की।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

दो दिन में चली गई थानेदारी: हिस्ट्रीशीटर ने थानाध्यक्ष को माला पहनाकर किया स्वागत, फोटो आई सामने...तो गिरी गाज

हिस्ट्रीशीटर ने थानाध्यक्ष को माला पहनाकर स्वागत किया। फोटो सामने आई तो पुलिस कमिश्नर ने कार्रवाई की। दो दिन में थानेदारी चली गई। उत्तर प्रदेश के आगरा में निबोहरा थाने के एक हिस्ट्रीशीटर ने नवागत थानाध्यक्ष को माला पहनाकर स्वागत किया। इसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद शनिवार की रात उन्हें हटा दिया गया। उनकी जगह इंस्पेक्टर सुरेशचंद को थाना प्रभारी बनाया गया है। निबोहरा थानाध्यक्ष मोहित शर्मा के चार्ज लेने पर हिस्ट्रीशीटर लोकेंद्र माला लेकर स्वागत करने पहुंचा। माला पहनाते हुए खिंचाई फोटो दो दिन से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। लोकेंद्र निबोहरा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। वह गांव शाहवेद, निबोहरा का रहने वाला है। उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं। दिसंबर 2017 में लोकेंद्र को राजस्थान के राजाखेड़ा थाने में तैनात दरोगा टीनू सोगरवाल को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। फोटो वायरल होने पर एसओ मोहित शर्मा का कहना था कि थाने में पहुंचते ही कई लोग उनसे मिलने आए थे। उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि इनमें से एक हिस्ट्रीशीटर है। मामला अधिकारियों के संज्ञान में आने पर पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड ने इसे गंभीरता से लिया। शनिवार रात थानाध्यक्ष मोहित शर्मा को हटाकर लाइन भेज दिया। इंस्पेक्टर सुरेश चंद को प्रभारी निरीक्षक निबोहरा बनाया गया है।

कार्रवाई: जीएसटी की एसआईबी टीम ने कीं दो भट्ठों की 1.10 करोड़ ईंटें सील, स्क्रैप ट्रेडर के यहां 65 टन माल जब्त

अंकित ईंट उद्योग सतलोनी खुर्द इगलास पर जांच की। जहां 50 लाख की ईंट सील की गईं। जीडी ईंट उद्योग मई सुभाषग्राम पर 60 लाख रुपये की ईंट सील की गई। दोनों जगह पर जीएसटी रिर्टन का रिकार्ड नहीं मिला।जीएसटी रिटर्न दाखिल किए बिना कारोबार कर रहे ईंट भट्ठों के खिलाफ विभाग की एसआईबी टीम की जांच जारी है। इसी क्रम में 20 जुलाई को खैर, इगलास व अतरौली में आधा दर्जन से अधिक ईंट भट्ठों की जांच की गई, जिसमें इगलास में दो ईंट भट्ठों पर 1.10 करोड़ रुपये की ईंटें सील कर दी गईं। जांच पूरी होने तक इनकी बिक्री पर रोक लगाई है। एडिशनल कमिश्नर ग्रेड एक डा. श्याम सुंदर तिवारी व एडिशनल कमिश्नर ग्रेड दो गुलाब चंद्र के निर्देश पर असिस्टेंट कमिश्नर शिव कुमार सिंह ने टीम के साथ अंकित ईंट उद्योग सतलोनी खुर्द इगलास पर जांच की। जहां 50 लाख की ईंट

सील की गईं। जीडी ईंट उद्योग मई सुभाषग्राम पर 60 लाख रुपये की ईंट सील की गई। दोनों जगह पर जीएसटी रिर्टन का रिकार्ड नहीं मिला। इसके अलावा टीम ने खैर, अतरौली व इगलास में आधा दर्जन अन्य ईंट भट्ठों पर भी जांच की, वहां सब ठीक मिला। इन दोनों भट्ठों के स्वामियों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जांच पूरी होने तक सील की गई ईंटों की बिक्री पर रोक लगाई गई है। शाहजमाल में स्क्रैप ट्रेडर के यहां 65 टन माल सील- टीम ने एडीए कालोनी शाहजमाल में शेहरीज स्क्रैप ट्रेडर्स पर भी जांच की। यहां भी 65 टन अघोषित कच्चा माल जब्त कर सील किया गया है। इसके संबंध में स्वामी कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। यह भी नहीं बता पाया कि यह माल कहां से खरीदा गया है। बताया गया है कि पूर्व में स्क्रैप फर्मों की जांच में इस फर्म का नाम सामने आया था। जिसमें बोगस फर्मों से खरीद बिक्री का मामला मिला था। इस फर्म ने भी 50 लाख की आईटीसी का लाभ बोगस फर्म के जरिये लिया है। एसी एसआईबी शिव कुमार सिंह ने बताया कि इस तरह की जांच का क्रम जारी रहेगा।

मेरी नहीं सुनी गई तो मुस्लिम धर्म अपना लूंगा, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष की पोस्ट से खलबली

बरेली में शस्त्र लाइसेंस निरस्त होने के बाद नाराज भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष ने फेसबुक पर ऐसी पोस्ट डाली, जिससे खलबली मच गई। भाजपा नेता ने पार्टी विधायकों और सांसदों पर साथ नहीं देने का आरोप लगाकर मुस्लिम धर्म अपनाने की चेतावनी दे डाली। बरेली में भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष के दो शस्त्र लाइसेंस डीएम ने निरस्त कर दिए। इससे आहत भाजपा नेता ने पार्टी विधायकों और सांसदों पर साथ नहीं देने का आरोप लगाकर अपनी फेसबुक आईडी पर दो पोस्ट डाले। जिसमें लिखा है कि अगर मेरी बात नहीं सुनी गई तो 15 दिन के अंदर मुस्लिम धर्म अपना लूंगा। फेसबुक पोस्ट के स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद पार्टी में खलबली मची है। भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल उर्फ कल्लू ने फेसबुक पर लिखा कि मैं 1988 से भाजपा का सिपाही हूं। मैनें भाजपा के अलावा किसी का चुनाव नहीं लड़ाया। भाजपा सत्ता में रही या विपक्ष में, हमेशा साथ रहा। बिल्कुल निर्दोष होने के बाद भी सात महीने जेल काटी। कोर्ट ने मुझे निर्दोष माना इसके बावजूद मेरे दोनों शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए गए। बड़े नेता कह रहे हैं मेरे पास आओ तुम्हारे सामने फोन करूंगा। मैं जाऊं न जाऊं काम होना चाहिए जो आज तक नहीं हुआ। पोते के किडनैप की कोशिश हुई इसलिए हादसा हुआ था। मैं बहुत मजबूर हूं आगे लिखा, मेरे साथ जितना बुरा हो सकता था हुआ। मैं अपनी सरकार के खिलाफ नहीं जा सकता। मगर मैं बहुत मजबूर हूं। इस सरकार में अधिकारी अपनी मनमर्जी कर रहे हैं। पार्टी के किसी विधायक, सांसद और उच्च पदाधिकारी ने मेरा मामला संज्ञान में नहीं लिया। अगर कोई साथ नहीं खड़ा हो सकता तो प्यार के दो बोल तो बोल सकता है। घटना से मेरा मन इतना दुखी है कि मेरे मन में विचार आ रहा है क्यों न मैं हिंदू धर्म त्यागकर मुस्लिम धर्म अपना लूं। मेरी सुनवाई नहीं हुई तो 15 दिन के अंदर मुस्लिम धर्म अपना लूंगा। फेसबुक पोस्ट के संबंध में जब प्रदीप अग्रवाल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि हमारी कोई नहीं सुन रहा है।

जानलेवा हमले में प्रदीप ने काटी थी जेल- 2022 के अप्रैल माह में भाजपा नेता प्रदीप अग्रवाल और बाइक सवार छात्र के बीच वाहन टकराने पर कहासुनी हो गई थी। भाजपा नेता ने छात्र पर दो गोली चला दी थी, जिसमें एक गोली उसके पेट में लगी थी और दूसरा पेट के पार हो गई थी। छात्र के पिता सिपाही थे। इस मामले में प्रदीप को जेल भेजा गया था। वहीं प्रदीप का उस समय कहना था कि परिवार की रक्षा के लिए गोली चलाई है। बता दें कि हाल ही में सुभाषनगर निवासी भाजपा नेता प्रदीप अग्रवाल के दो शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर तीन दिन पहले डीएम रविंद्र कुमार ने यह कार्रवाई की थी। भाजपा नेता के अलावा चार अन्य लोगों के शस्त्र लाइसेंस भी निरस्त हुए थे।

आंध्र-बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग, नीट-यूजी का मुद्दा भी उठा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने बताया कि टीडीपी नेता इस मामले पर चुप रहे।संसद के मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध में सर्वदलीय बैठक हुई। यह बैठक संसद की कार्यवाही के लिए सहमति बनाने के मुद्दे पर हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने की और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बैठक का आयोजन किया। बैठक में चिराग पासवान और कांग्रेस से प्रमोद तिवारी और गौरव गोगोई भी शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने बताया कि टीडीपी नेता इस मामले पर चुप रहे। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष का पद की मांग की और साथ ही नीट का मुद्दा भी उठाया। विपक्ष ने ये मुद्दे उठाए- जयराम रमेश ने ये भी दावा किया कि जदयू ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। सत्तारूढ़ एनडीए में एक प्रमुख सहयोगी जेडी (यू) ने हाल ही में बिहार के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा या पैकेज की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। राजद सांसद ने संसद में विपक्षी सांसदों को भी बोलने की मंजूरी देने की अपील की। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नीट- यूजी का मुद्दा उठाया। साथ ही ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नामपट्टिकाओं का मुद्दा उठाया। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस के जयराम रमेश और के सुरेश, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, राजद के अभय कुशवाहा, जदयू के संजय झा, आप के संजय सिंह, सपा नेता रामगोपाल यादव और राकांपा के प्रफुल्ल पटेल आदि नेता बैठक में मौजूद थे।एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने सर्वदलीय बैठक को लेकर कहा कि ये औपचारिकताएं हैं, हर सत्र से पहले ऐसी बैठकें बुलाई जाती हैं। बजट सत्र पर सभी दलों ने अपने सुझाव दिए हैं। कई दलों ने अपने-अपने राज्यों के मुद्दे उठाए हैं। मैंने जो सुझाव दिया है वो ये है कि सत्र बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चलना चाहिए, जो कि अब एक परंपरा बन गई है कि व्यवधान पैदा किया जाता है और अराजकता फैलाई जाती है। सभी मामलों पर चर्चा और बहस होनी चाहिए, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से। डिप्टी स्पीकर के पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। मुझे लगता है कि सरकार को इस मुद्दे पर एक अलग बैठक बुलानी चाहिए जिसमें सरकार और विपक्ष एक साथ बैठकर चर्चा करें। कांग्रेस ने सरकार को घेरा- कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि %सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बैसाखियों पर टिकी है और संविधान, उसके मूल्यों और परंपराओं की हत्या कर रही है। जिस तरह से संविधान निर्माता बी.आर. अंबेडकर और महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को यहां से हटाया गया है, जिस तरह से संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, बेरोजगारी और महंगाई सरकार की नीतियों के कारण बढ़ रही है, जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में सेना और सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे हैं और यह सरकार इन सबको कायरता के साथ तरह देख रही है, जिस तरह से इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान का अनादर किया जा रहा है, ऐसे कई मुद्दे हैं जो लोगों से जुड़े हैं। हम इन सभी मुद्दों को उठाएंगे।10 वर्षों से संसद में ठीक से काम नहीं हुआ सीपीआई-एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि संसद को ठीक से काम करना चाहिए और बहस और चर्चा होनी चाहिए, जो पिछले 10 वर्षों से नहीं हो रही है। हम चाहते हैं कि सरकार जमीनी हकीकत को समझे। बेरोजगारी दर अपने चरम पर है, लोग भूख से मर रहे हैं। राज्यों की शक्ति पर हमला हुआ है।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ा हादसा, पहाड़ी से गिरा मलबा, तीन यात्रियों की मौत; पांच घायल

केदारनाथ धाम की यात्रा के दौरान आज बड़ा हादसा हो गया। बारिश के चलते गौरीकुंड के पास यात्रियों पर अचानक पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिर गए। जिससे तीन की मौत हो गई, पांच घायल हैं। गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। चिरबासा के पास पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिर गए। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि यात्रा पर जा रहे तीन तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए। घायलों में भी दो यात्री महाराष्ट्र के व अन्य स्थानीय बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए गौरीकुंड अस्पताल में भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह साढ़े सात बजे की बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। हादसे में मृतकों की पहचान किशोर अरुण पराटे(31), नागपुर महाराष्ट्र, सुनील महादेव काले(24) जालना महाराष्ट्र, अनुराग बिष्ट, तिलवाड़ा रुद्रप्रयाग के रूप में हुई है। बता दें कि केदारनाथ में 16 किमी लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर पल-पल भूस्खलन का खतरा रहता है। चीरबासा भूस्खलन जोन है, जहां प्रत्येक बरसात में पहाड़ी से पत्थर गिरने से दुर्घटनाएं होती रहती हैं। यहां बीते वर्ष भी पहाड़ी से भूस्खलन होने के कारण एक व्यक्ति की जान चली गई थी।सीएम धामी ने जताया दुख केदारनाथ यात्रा मार्ग पर हुए हादसे को लेकर सीएम धामी ने दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा% पहाड़ी से मलबा व भारी पत्थर गिरने से कुछ यात्रियों के हताहत होने का समाचार अत्यंत दु:खद है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है, इस संबंध में निरंतर अधिकारियों के संपर्क में हूं। हादसे में घायल हुए लोगों को त्वरित रूप से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर दिवंगतों की आत्मा को श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

संक्षिप्त समाचार

गुरु पूर्णिमा पर कथा व्यास का सम्मान कर आशीर्वाद लिया

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) स्वर्गीय बृजमोहन रेजा एवं स्व मनोरम रेजा के आशीर्वाद से पुत्र राम कुमार रेजा पुत्रवधू मीनू रेजा द्वारा परमहंस वदी दास जी महाराज के आश्रम देवगांव में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कथा व्यास झांसी से पधारे श्री सुमित शास्त्री के द्वारा पूर्ण की गयी कथा के उपरांत आज गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर हवन इत्यादि का कार्यक्रम विधि विधान के साथ संपन्न हुआ इस अवसर पर कथा परीक्षित रामकुमार रेजा मीनू रेजा परिवार एवं रिश्तेदार उपस्थित रहे हवन उपरांत कथा व्यास श्री सुमित शास्त्री जी का स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से अगं वस्त उडाकर एवं मैडल पहनाकर सम्मानित करते हुए इंजीनियर राजीव कुमार रेजा डॉक्टर नीता रेज एवं समस्त परिवरीजन एवं रिश्तेदार मौजूद रहे

एसडीएम ज्योति सिंह ने मीडिया से जुड़े पत्रकारो को पेड़ वितरित किये

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच की एसडीएम ज्योति सिंह सरकार द्वारा अधिक से अधिक इस मौसम मे वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सरँक्षित करे ताकि क्षेत्र हरा भर हो जाए इसी सरकार की मंशा को पूरा करने के उदेश्य से आज एसडीएम ज्योति सिंह ने अपने कार्यालय पर मीडिया से जुड़े पत्रकारो को कई अच्छी प्रजातियों के पेड़ वितरित किये साथ ही अपने अपने प्रार्थना पत्र लेकर आये कई फरयादियो को भी बुलाकर उन्हे पेड़ दिये एसडीएम ज्योति सिंह ने अपने विचारो मे कहा की पेड़ लगाने से हमे कई फायदे है पेडो से एक तो छाया मिलती है और पेड़ हमारे जीवन प्राण वायु देते है और शुद्ध हवा से हम अच्छा महसूस करते है उन्होंने कहा की पेड़ लगाने से बहुत बड़ा पुण्य फल मिलता है पेड़ हमारे जीवन मे बहुत जरूरी है उन्होंने सभी मीडिया से जुड़े लोगो से अपील की की वह इस पेड़ लगाओ अभियान मे आगे आये और अधिक से अधिक पेड़ रोपित करे और आम जनता को भी पेड़ लगाये जाने के लिये प्रेरित करे इस अवसर पर अदर्ली राजेंद्र यादव कर्मचारी योगेश सोनी सददाम अली सहित दो दर्जन मीडिया से जुड़े पत्रकार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे

पटेल नगर बिजली पावर हाउस पर पेड़ लगाये गए

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) आज रविवार को वार्ड नं 13 मोहल्ला पटेल नगर में बूथ संख्या 460 पर बिजली पावर में वृक्षा रोपण महाअभियान के अंतर्गत विधायक मूलचंद निरंजन पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के साथ में वृक्षारोपण किया गया और कई पेड़ रोपित किये गये इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष मनीष चौधरी, अभिनव सिंह, सौरभ पुरवार,शक्ति केंद्र संयोजक, अवध यादव एवं मोर्चा पदाधिकारी गण उपस्थित रहे

मसुरियादीन पासी की जयन्ती मनाई पार्टी जनो ने

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) प्रदेश अध्यक्ष अजय राव के आह्वान पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व सांसद मसूरियादीन पासी की पुण्यतिथि कस्बे के गांधीनगर में वाल्मीकी बस्ती में बने पार्क में मनाई रमेश बाल्मिक की अध्यक्षता से सम्पन्न हुई पुण्यतिथि में उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डाला गया। नगर अध्यक्ष राधवेंद्र तिवारी ने कहा कि इस दौरान श्री नारायण दीक्षित, राम किशोर पुरोहित ललिया, जिला महासचिव समसुद्दीन, पूर्व सभासद अनिल पटेरिया, लकी दुवे, विक्की दुवे, शकील मकरानी, सुल्तान राइन, अरुण उपाध्याय, वरिष्ठ कांग्रेसी आदित्य गुर्जर, रामबाबू बाल्मिक, महेश, जितेंद्र, मुन्ना,सचिन, किशोरी लाल बाल्मिक आदि मौजूद रहे।

Rubik's Cube was not made for playing, but for teaching, the magic has not diminished even after 50 years

Rubik's Cube is a toy that has been played by one in every seven people in the world. It has been 50 years since its invention, but its magic remains the same even today. But do you know that Rubik's Cube was not invented for playing, but for teaching. Let's take a look at the journey of Rubik's Cube so far. Rubik's Cube was invented on 30 June 1974. So far, 50 crore Rubik's Cubes have been sold all over the world. It was created by a professor named Erno Rubik. Rubik's Cube: You must have heard the name of Rubik's Cube. From children to adults, there is no one who is not attracted to it. Solving it is not a simple task, so many people are engaged in the struggle to solve it. Now many manuals are also available in the market to solve it. There are also many apps that teach ways to solve Rubik's Cube. Let us tell you that the craze for this simple looking cube is not from today, but it has remained the same since its invention till today. Over the years, there have been many changes in children's toys and ways of playing, but even amidst these changes, the magic of Rubik's Cube remained intact. Last month on June 30, Rubik's Cube has completed 50 years. So on this golden jubilee of Rubik's Cube, let us know some interesting things related to its invention and how till now everyone from children to adults are its fans. When and who invented the Rubik's Cube? - Erno Rubik of Hungary invented the Rubik's Cube on June 30, 1974. Let us tell you that Erno Rubik was a professor of architecture and he did not make it like a toy. He wanted to teach his children about 3-D shapes, but it was very difficult to explain it on the board. The idea of ??solving this problem came to him while teaching about Plutonic solids. He thought of making a cube to teach children about 3-D shapes, in which a big cube is made by combining 8 small cubes and the places of those small cubes can be interchanged. But all those cubes should be connected to each other. What is the other name of Rubik's Cube? - After this Erno Rubik made a wooden cube, but this cube had many shortcomings. However, he did not give up and after many failures, finally on his 30th birthday, 13 July 1974, he made a successful model of Rubik's Cube. He named Rubik's Cube as Magic Cube. He made this cube by combining 26 small cubes and gave a color to each side, which were as follows - red, blue, yellow, green, white and orange. How long did it take for the first Rubik's Cube to be solved? - It took Erno Rubik a lot of time to solve the Rubik's Cube and he was able to solve it for the first time several months after making it. In 1975, Erno Rubik filed a petition in the Hungarian Patent Office to patent his magic cube and two years later, Rubik's Cube began to be sold in toy stores. By the year 1979, more than 3 lakh Rubik's Cubes had been sold in Hungary alone. But this cube was being sold only in Hungary till then. The magic of the magic cube was yet to spread globally. Interesting facts about Rubik's Cube How did the name Rubik's Cube come about? - In the year 1980, Erno Rubik made an agreement with an American company and its name was changed from Magic Cube to Rubik's Cube. Under this agreement, 10 lakh Rubik's Cubes were to be sold worldwide. But its fame skyrocketed when Erno Rubik explained the way to solve it at a toy fair held in New York. After this, in the coming years, many competitions to solve Rubik's Cube started being organized. The magic of Rubik's Cube was such that till now more than 50 crore cubes have been sold. Not only this, according to the report of Toy Insider, it is the best selling toy till date.

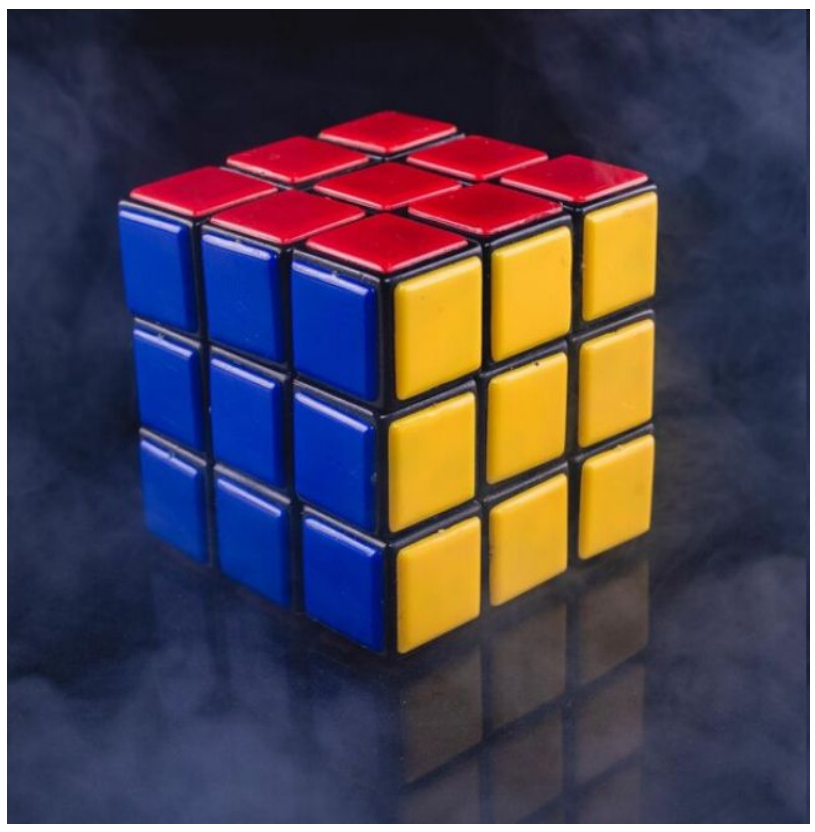

With the help of Cognitive Test, you can detect these mental diseases in time, know when it is needed

For some time now, there has been a demand to conduct a Cognitive Test of the current President Joe Biden in America. In such a situation, the question in everyone's mind is what is this test and why and when it is done. If you also have a question about this, then today in this article we will know all the important things related to this test from the doctor. Cognitive Test was in constant discussions for the last few days. It is a kind of assessment, which is done to measure various aspects of cognition. With this, many types of brain diseases can be detected. The US election is in discussion all over the world these days. The President and Vice President will be elected through this election to be held in November. Currently, the current US President 81-year-old Joe Biden and former President Donald Trump are in the race for the post of President. However, for the last few days, there is a lot of contradiction in the opposition party in America regarding Joe Biden's claim. This is because for some time now, many types of news have been coming out about Biden's health, in view of which there was a demand for his cognitive test. After this demand of the opposition party, discussions started taking place all over the world about cognitive tests. Everyone was eager to know what this test is, when it is done and what diseases can be detected by getting it done. In such a situation, to know about this in detail, we talked to Dr. Vinit Banga, Director of Neurology Department at Fortis Hospital, Faridabad and learned about this test. What is Cognitive Test? - Doctors explain that Cognitive Test, also known as cognitive test, is a type of assessment used to measure various aspects of cognition including memory, attention, problem solving skills, language abilities and other mental functions. These tests can be taken in various ways, including questionnaires, puzzles, memory exercises and problem solving tasks. When is a cognitive test needed- To diagnose disease: These tests help diagnose cognitive loss. This can detect Alzheimer's disease, dementia and other neurodegenerative conditions. Baseline assessment: They establish a baseline of cognitive functioning, which can be useful for monitoring changes over time, especially in adults and the elderly. Assessment of the effects of injuries or diseases: After a head injury, stroke or other neurological accident, cognitive tests can determine the extent of cognitive effects and provide guidelines for quick recovery. Educational assessment: In children, cognitive tests can help identify learning disabilities and provide guidance for academic planning. Which diseases are detected by cognitive tests- Doctors say that with the help of these tests, various health conditions can be detected, including the following:- Dementia: Memory loss, language problems and other symptoms of dementia can be detected with the help of cognitive tests. Alzheimer's disease: Alzheimer's disease is also detected with the help of this test. In this, some special patterns of cognitive decline can point to Alzheimer's. Mild cognitive impairment (MCI): Early symptoms of cognitive decline that can turn into dementia can also be identified with this test. Brain injuries: Cognitive tests are also used to detect brain injuries and other trauma. Stroke: Cognitive effects of stroke, such as difficulty in speaking, memory or executive function, can also be evaluated with this test.

Edmund Hillary was born on this day, whose passion made the peak of Mount Everest look small

Climbing the highest peak of the Himalayas, Mount Everest, is not easy, but today we are going to tell you about a person whose passion made even Everest look small. We are talking about Edmund Hillary, who was born on this day, i.e. 20 July 1919, in Auckland, the largest city of New Zealand. Mount Everest is the highest mountain peak in the world. Currently, the height of Mount Everest is 8,848 meters i.e. 29,029 feet. On May 29, 1953, Edmund Hillary hoisted the victory flag on the peak of Everest. 20 July is a very special day for the country and the world. Actually, on this day Edmund Hillary was born, who on 29 May 1953, along with Tenzing Norgay of Nepal, showed the world by conquering the snow-covered highest and most inaccessible peak Everest. In such a situation, the Queen of Britain expressed happiness over Hillary's success and also awarded him the title of Knight. On this special occasion, let us know some special things related to this person who hoisted the flag of victory on the peak of Everest. Success was not achieved for the first time - In the year 1952, under the leadership of Sir John Hunt, Edmund Hillary along with 20 other best mountaineers set out to measure Mount Everest. Earlier, about 1200 mountaineers from 63 countries tried to conquer Everest, but no one was successful. Edmund was also not successful in climbing Everest for the first time. He himself had disclosed this in an interview. Success in 1953- According to the information, the base camp was prepared at an altitude of 25,900 feet in March 1953. On May 26, Sir John Hunt sent May Baudrillon and Evans as the first team for climbing. Evans' oxygen system failed on the way, due to which he had to return. After this, John Hunt sent Hillary and Tenzing as the second team. Due to cold icy winds, it took them two days to reach the southern part and due to this, May 29 became a historic day. Queen Elizabeth honored them- Tenzing and Hillary had set up their camp at 27,900 feet. After which the news of this success was sent from the base camp of the expedition to the radio post. This information was immediately sent to London, after which Queen Elizabeth II was overjoyed to hear it. When she learned of their achievement on the eve of her coronation on June 1, Hillary and Hunt were knighted by Queen Elizabeth II of Britain.

Sonali Bendre showed inside photos of Anant-Radhika's wedding, congratulated the newly wed couple

Bollywood actress Sonali Bendre was also a part of the grand wedding of Anant Ambani and Radhika Merchant. She attended this wedding with her family. Now the actress has shared many inside pictures on the social media handle Instagram. Along with this, Sonali has also congratulated the couple by writing a cute note in the post. Sonali Bendre shared Anant-

Radhika's wedding photo Sonali Bendre was a part of the grand wedding with the family The actress posted and congratulated the couple on the wedding Anant Ambani, the younger son of businessman Mukesh Ambani and his wife Nita Ambani, married his lady love Radhika Merchant on July 12 with great pomp. Many domestic and foreign guests witnessed this royal wedding. Celebs shared many videos of the wedding on social media and also congratulated the newly wed couple by sharing posts. Now, a few days after the wedding, actress Sonali Bendre has shared many inside photos of this grand wedding on social media and also congratulated the couple. In these photos, the actress is also seen with her family. Sonali shared the inside photos of the wedding - Bollywood actress Sonali Bendre had reached Anant-Radhika's wedding with her family. Now she has shown the inside photo of the grand wedding. In the first picture, the actress is seen meeting Radhika Merchant, while in the second photo, her son is meeting Radhika. The third picture is of Anant-Radhika's sindoor ritual and in the fourth photo, the entire Ambani family is seen together. In the last, the actress is seen with her family. Sonali congratulated the couple - While sharing these pictures, she wrote in the caption that Anant and Radhika, congratulations to this wonderful couple. Wishing you both a lifetime of happiness. Mukesh Bhai and Neeta Bhabhi, our best wishes to you and your entire family. Thank you for being such wonderful hosts, for the wonderful hospitality and for making every guest feel special. The wedding was truly amazing. These two functions were held after the wedding - After Anant-Radhika's wedding, 'Shubh Aashirwad Rasm' was organized on July 13. After this, a grand reception was organized on July 14. Photos and videos of all the functions went viral on social media.

Adnan Shaikh was changing clothes, Shivani did such an act, fans got stunned after watching the video, said - shamelessness has crossed all limits

Ever since Adnaan Shaikh entered Bigg Boss OTT 3, fans have been wanting to see his journey. Adnan is a popular YouTuber. He has a deep and old friendship with Vishal Pandey. Shivani Kumari from UP is also in the house. Recently, she did something with Adnan, seeing which the users got angry. Adnan Shaikh is a wild card entry. Fans got stunned after seeing Shivani Kumari's act. Makers were reprimanded for Shivani's act. 'Bigg Boss OTT 3' is in the news these days. The makers are trying to bring many twists and turns in the show. Famous YouTuber Adnaan Shaikh entered a few days ago. The atmosphere of the house may not have changed since his arrival, but the coordination of the contestants has definitely changed. As the show progresses, every task is becoming difficult. Adnan Sheikh is said to be a good friend of Vishal Pandey. As soon as they came into the house, their bonding was seen with each other. At the same time, Adnan is at loggerheads with Lavkesh. Who among them will stay in the house and who will go out, it will be known in the coming days. At present, Shivani Kumari did such a thing with Adnan, seeing which the users have burst out in anger on her and the makers. Shivani did such a thing with Adnan - A video of the last episode of 'Bigg Boss OTT 3' has surfaced, in which Adnan can be seen changing clothes in the changing room. He wears pajamas and is not wearing anything on top. He is tying the string of his pajamas when Shivani comes there and does something, seeing which people remember the incident with Vishal and Kritika. Actually, Shivani suddenly comes to Adnan and pulls his string. It was a good thing that Adnan held the string tightly. After this, Shivani came laughing from there to the garden area and started laughing loudly. Shivani's laughter did not stop on this act. But the users did not like all this. Fans taught her a lesson - one user commented, 'How shameless she is.' One wrote, 'Now shamelessness has reached its limit.' One user has raised questions on equality in the show. He wrote, 'When a boy just said that he finds Bhabhi beautiful and he also said that I am saying the truth, then he was beaten up, all the girls insulted him and now everyone is laughing, this is equality, isn't it?'

'What is the need for marriage?' Elder daughter Renee does not want Sushmita Sen to become a bride, was stunned on the question of marriage

Sushmita Sen is still unmarried at the age of 48. After adopting two daughters at a young age, Sushmita focused all her attention on them. Today she is in the news for her relationship with Rohman Shawl. Recently, the actress has revealed how she reacted when she once asked her elder daughter about marriage. Sushmita Sen has adopted two daughters Discussion of Sushmita dating Rohman Shawl Sushmita was last seen in Aarya Season 3 Sushmita Sen was only 24 years old when she left the worries of society and adopted a daughter without marriage and she became an example for women. Then a few years later she adopted a second daughter. Today the actress is raising her daughters Renee and Alisha alone. Sushmita Sen, who has been ruling the film world since Miss Universe, has been in the news many times for her relationship, but even at the age of 48, she did not get married. Recently, the actress revealed that when she asked her daughter Rini if ??she should get married, her reaction was shocking. Sushmita Sen spoke about marriage - Actually, Sushmita Sen came as the first guest in Rhea Chakraborty's chat show Chapter 2. In this show, Sushmita Sen has talked about daughter Rini's reaction to her marriage. Sushmita told that her daughter does not want her to get married. Rini does not want Sushmita to get married - Sushmita Sen has revealed that once she asked her elder daughter Rini Sen if she should get married. Then Rini said, "No, absolutely not. What is the need to get married? Not this man, not that man, not anyone. Don't get married. Why? You are too cool." Children do not miss their father - Sushmita Sen told that even though it is necessary to have both parents, but in her case it is not so because her daughters never had a father, so they do not miss him. However, once on Sports Day, her daughters missed their father. But when Sushmita entered the field to make up for the lack, she defeated all the fathers and became the winner in all the games.